मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

हर खबर निष्पक्षता के साथ

मुंबई
वर्षः 9 अंक 112
सोमवार, 02 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

राहुल की रामलीला 'जलसा' 1984 के पीड़ितों के घावों पर नमक छिड़कने जैसा, अमित शाह का कांग्रेस पर निशाना

नई दिल्ली, 01 नवम्बर। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इंडी गठबंधन द्वारा आयोजित रैली को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 1984 के सिख-विरोधी दंगों की बरसी पर दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन की रैली से पीड़ितों और उनके परिवारों की पुरानी दर्दनाक यादें फिर से ताजा हो जाएंगी।

दरअसल, चंडीगढ़ में विकास परियोजनाओं के शिलान्यास के दौरान शाह ने कहा कि 1 नवंबर को राजधानी में इस तरह का 'जलसा' आयोजित करना दंगा पीड़ितों और उनके परिवारों के पुराने जख्मों पर नमक छिड़कने जैसा है।

उन्होंने कांग्रेस पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी के विवादित बयान का हवाला दिया और चुनाव आयोग के खिलाफ विपक्ष की 'मॉक संसद' पर तंज कसते हुए कहा कि अगर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना है, तो वे मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहें।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 1984 के सिख-विरोधी दंगों का जिक्र करते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि 1 नवंबर 1984 को दिल्ली की सड़कों पर हजारों निर्दोष सिखों का बेरहमी से कत्ल कर दिया गया था। शाह ने उस खौफनाक मंजर को याद दिलाते हुए कहा कि उस दौरान हंसते-खेलते परिवार उजाड़ दिए गए, लोगों को जिंदा जलाया गया, मासूम बच्चे अनाथ हो गए, महिलाएं विधवा हुईं और आशियाने खाक में मिला दिए



गए। विरोध प्रदर्शन के लिए इस तारीख के चयन पर 'इंडिया' गठबंधन को आड़े हाथों लेते हुए उन्होंने कहा, ₹जिस दिन सिखों का नरसंहार हुआ था, उसी दिन इन्हें रैली आयोजित करनी थी। शाह ने दंगों के बाद तत्कालीन प्रधानमंत्री राजीव गांधी द्वारा दिए गए विवादित बयान का हवाला देते हुए कहा, 'राजीव गांधी ने एक बयान दिया था जब कोई बड़ा पेड़ गिरता है, तो धरती हिलती है। मैंने इसे टेलीविजन पर देखा था और जीवनभर इसे कभी नहीं भूल सकता।' उन्होंने तंज कसा कि हजारों बेगुनाहों की हत्या के बाद ऐसी संवेदनहीन टिप्पणी सिर्फ कांग्रेस का नेतृत्व ही कर सकता था। गृह मंत्री ने आगे कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने 1984 दंगों के बंद पड़े मामलों को दोबारा खुलवाया, पीड़ितों के परिजनों को 5-5 लाख रुपये का मुआवजा दिया और दोषी कांग्रेस नेताओं को सलाखों के पीछे पहुंचाया। उन्होंने जोर देकर कहा कि देश ने किसी राजनीतिक दल द्वारा प्रायोजित ऐसे दंगे न कभी पहले देखे थे और न भविष्य में कभी देखेगा। उएउ ज्ञानेश कुमार के खिलाफ इंडी गठबंधन की प्रतीकात्मक कार्यवाही पर राहुल गांधी को घेरते हुए शाह ने तंज कसा कि अगर राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना ही है, तो वे मॉक पार्लियामेंट में ही बने रहें। गौरतलब है कि विपक्षी दलों ने चुनावी गड़बड़ियों का आरोप लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ एक प्रतीकात्मक 'जन महाभियोग' चलाया था, जिस पर शाह ने पलटवार किया है।

ठाणे में महायुति की लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा

- मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक सहित महायुति के नेताओं ने लिया हिस्सा, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता का संदेश



ठाणे (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में महायुति की ओर से 1 नवंबर 2026 को ठाणे में ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ अभियानह्न के तहत पदयात्रा का आयोजन किया गया। इस पदयात्रा में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, शिवसेना के मुख्य नेता एवं उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे सहित महायुति के अन्य वरिष्ठ नेताओं और पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। आयोजकों के अनुसार, इस अभियान का उद्देश्य विपक्ष द्वारा कथित तौर पर फैलाए जा रहे भ्रामक प्रचार और विभिन्न आंदोलनों के माध्यम से सामाजिक अस्थिरता पैदा करने के प्रयासों के प्रति नागरिकों में जागरूकता पैदा करना है। महायुति की ओर से आरोप लगाया गया कि गलत नैरेटिव के जरिए जनता को गुमराह करने से समाज में भ्रम और अराजकता की स्थिति उत्पन्न होती है।

लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का आह्वान पदयात्रा के माध्यम से लोकतांत्रिक मूल्यों, संवैधानिक व्यवस्था तथा देश की एकता और अखंडता को बनाए रखने का संदेश दिया गया। अभियान से जुड़े नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र को मजबूत बनाए रखने के लिए प्रत्येक नागरिक का जागरूक और सजग रहना आवश्यक है। महायुति की ओर से यह संकल्प व्यक्त किया गया कि लोकतंत्र के नाम पर कथित रूप से फैलाए जा रहे दुष्प्रचार और अराजकता का जवाब तथ्यों के आधार पर दिया जाएगा। साथ ही, इस विचार को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाने और नागरिकों के बीच जनजागरण करने का प्रयास जारी रहेगा। इस पदयात्रा में महायुति के नेताओं की सहभागिता के माध्यम से लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने और देश की एकता एवं अखंडता बनाए रखने का संदेश देने पर जोर दिया गया।

विपक्ष जनादेश न मिलने से हताश: नितिन नवीन

चंडीगढ़, 01 नवम्बर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष नितिन नवीन ने रविवार को दिल्ली में विपक्षी गठबंधन इंडिया की रैली को लेकर निशाना साधा और कहा कि जनता का जनादेश नहीं मिलने से हताश कांग्रेस संवैधानिक संस्थाओं को निशाना बना रही है। नवीन वोट चोरी के आरोपों को लेकर विपक्ष की रैली के जवाब में हरियाणा के रोहतक में मार्च का नेतृत्व कर रहे थे। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा को संबोधित करते हुए नवीन ने कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के लिए प्रायश्चित करने और माफी मांगने के बजाय कांग्रेस दंगे की बरसी पर प्रदर्शन करने निकली है।

विपक्षी गठबंधन इंडिया कथित चुनावी अनियमितताओं के खिलाफ और मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजधानी में चलो दिल्ली रैली कर रहा है। भाजपा अध्यक्ष ने कहा,



कांग्रेस पार्टी को सिख भाइयों के खिलाफ किए गए कृत्यों, नरसंहार और हत्याओं के लिए प्रायश्चित करना चाहिए था और माफी मांगनी चाहिए थी, जो 1984 में इसी दिन हुई थीं। इसके बजाय, आज वे प्रदर्शन करने निकल पड़े हैं। उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक व्यवस्था में जनता सरकार चलाने के लिए जनादेश देती है, लेकिन कांग्रेस को ऐसा जनादेश नहीं मिला।

इसलिए वह स्पष्ट रूप से निराश और हताश है तथा इसके लिए संवैधानिक संस्थाओं को जिम्मेदार ठहरा रही है। लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ पदयात्रा का जिक्र करते हुए नवीन ने कहा, आज हम लोगों के जनादेश का सम्मान करते हुए पदयात्रा निकालकर लोकतंत्र की जड़ों को मजबूत कर रहे हैं।

लोग हमसे पूछते हैं कि दिल्ली और कई अन्य राज्यों में भाजपा की सरकार है, फिर लोकतंत्र बचाने की जरूरत क्यों महसूस हो रही है। नवीन ने कहा कि जब विपक्ष जनता के जनादेश का अनादर करता है, तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के कार्यकर्ता जनता की आवाज बनकर उसे जवाब देते हैं।

नीट विवादः नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली परीक्षा सुधार समिति का कार्यकाल बढ़ा, जनवरी 2027 तक देगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 01 नवम्बर। केंद्र सरकार ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार और पेपर लीक की घटनाओं को रोकने के लिए गठित उच्चस्तरीय समिति का कार्यकाल बढ़ा दिया है। इंफोसिस के सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली इस समिति को अब जनवरी 2027 तक अपनी रिपोर्ट सौंपनी होगी। पहले समिति को अक्तूबर 2027 तक रिपोर्ट देने का समय दिया गया था। सरकारी सूत्रों के अनुसार, समिति की ओर से विभिन्न पक्षों के साथ विचार-विमर्श की प्रक्रिया अभी जारी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जुलाई में छह सदस्यीय इस उच्चस्तरीय टास्क फोर्स के गठन की घोषणा की थी। यह फैसला दिल्ली के जंतर-मंतर पर छात्रों के बड़े विरोध प्रदर्शन के बाद लिया गया था। 25 जुलाई को हुए इस प्रदर्शन के बाद तत्कालीन केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस्तीफा दे दिया था। इसके अगले दिन प्रधानमंत्री ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए समिति गठित करने की घोषणा की थी। समिति को अब तक छात्रों, अभिभावकों, शिक्षकों, शिक्षण संस्थानों, विषय विशेषज्ञों, उद्योग संगठनों और परीक्षा आयोजित करने वाली संस्थाओं से 50 हजार से अधिक सुझाव मिल चुके हैं। समिति इन सुझावों के आधार पर परीक्षा प्रणाली को बेहतर बनाने के उपायों पर विचार कर रही है। समिति ने 2024 में नीट पेपर लीक मामले के बाद केंद्र सरकार की ओर से गठित पैनल के प्रमुख और पूर्व इसरो



अध्यक्ष के. राधाकृष्णन से भी चर्चा की है। राधाकृष्णन समिति ने अक्तूबर 2024 में अपनी सिफारिशें केंद्र सरकार को सौंपी थीं। इसके बाद सरकार ने इन सिफारिशों को लागू करने की निगरानी के लिए राधाकृष्णन की अध्यक्षता में उच्चस्तरीय संचालन समिति (एचपीएससी) गठित की थी। शिक्षा मंत्रालय राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को लागू करने की प्रक्रिया में था, तभी इस साल नीट परीक्षा में पेपर लीक का मामला सामने आया। इस घटना के बाद देशभर में विवाद हुआ और छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किए। इसके बाद केंद्र सरकार ने अगले साल से नीट परीक्षा कंप्यूटर आधारित टेस्ट (सीबीटी) के रूप में कराने की घोषणा की। राधाकृष्णन समिति ने भी मेडिकल प्रवेश परीक्षा को अलग-अलग चरणों में कराने और पूरी तरह पेन-पेपर आधारित व्यवस्था के बजाय कंप्यूटर आधारित या हाइब्रिड परीक्षा प्रणाली अपनाने की सलाह दी थी। नंदन नीलेकणि की अध्यक्षता वाली समिति में पूर्व इसरो अध्यक्ष एस. सोमनाथ, खुफिया ब्यूरो के पूर्व निदेशक तपन डेका, आईआईटी मद्रास के निदेशक वी. कामकोटि, पूर्व शिक्षा सचिव अनीता करवाल और लॉजिस्टिक्स विशेषज्ञ अमृत लाल मीणा सदस्य हैं। समिति का मुख्य उद्देश्य ऐसी परीक्षा व्यवस्था के लिए सुझाव देना है, जिसमें पेपर लीक जैसी घटनाओं की आशंका कम हो और परीक्षाओं का आयोजन अधिक सुरक्षित और पारदर्शी तरीके से किया जा सके। इसके लिए समिति विभिन्न हितधारकों से मिले सुझावों और विशेषज्ञों की राय के आधार पर अपनी सिफारिशें तैयार कर रही है। जनवरी 2027 तक रिपोर्ट सौंपे जाने के बाद परीक्षा सुधारों को लेकर आगे की प्रक्रिया तय होगी।

जान दे देंगे, लेकिन झुकेंगे नहीं, दिल्ली की रैली में ममता बनर्जी का भाजपा पर तीखा वार

नई दिल्ली। दिल्ली के रामलीला मैदान में इंडी गठबंधन ने वोट चोरी और एसआईआर के विरोध में विशाल रैली की। इस दौरान विपक्षी नेताओं ने केंद्र सरकार और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधा। उन्होंने सत्ताधारी दल पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और चुनावी प्रक्रिया में हेरफेर करने के आरोप लगाए। पश्चिम बंगाल की पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने अपने संबोधन में सरकार और चुनाव आयोग पर सवाल उठाए।

ममता बनर्जी ने भाजपा पर पश्चिम बंगाल में चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि बंगाल एसआईआर



का शिकार बना है, लेकिन उनकी पार्टी और राज्य की जनता इसके आगे झुकने वाली नहीं है। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार पर निशाना साधते हुए ममता ने कहा, ₹ज्ञानेश, तुम कब गायब होगे?₹ उन्होंने सवाल उठाया कि चुनाव आयोग किस तरह सत्ताधारी दल के पक्ष में काम कर रहा है। ममता बनर्जी ने भाजपा पर वित्तीय अनियमितताओं और भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए।

ईरान की ट्रंप को चेतावनी: जवाबी कार्रवाई हम तय करेंगे; ब्रिटेन की नौसेना-वायुसेना को घोषित किया आतंकवादी संगठन

तेहरान, 01 नवम्बर। ईरान के रक्षा मंत्री मेहरदाद अखलाघी ने रविवार को अमेरिका को चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि तेहरान पर कोई भी हमला हुआ तो ईरान उसका उचित, निर्णायक और प्रभावी जवाब देगा। उन्होंने यह भी कहा कि अमेरिका के साथ दोबारा युद्ध शुरू हुआ तो यह लंबे समय तक चल सकता है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी मर्जी से इस युद्ध को खत्म नहीं कर पाएंगे। अल जजीरा की रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई। अखलाघी ने कहा, बाहरी हमलावर यह तय नहीं कर सकते कि ईरान किस तरह जवाब देगा। वे ईरान की जवाबी कार्रवाई की दिशा भी तय नहीं कर सकते। रिपोर्ट में ईरान के रक्षा मंत्री के हवाले से कहा गया, जो लोग धमकियां देते हैं, वे ईरान की रक्षात्मक प्रतिक्रिया का दायरा, समय या उसके नतीजे तय नहीं करेंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, ईरानी अधिकारियों ने फिर चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि अमेरिका के साथ दोबारा युद्ध शुरू हुआ तो यह पिछले सैन्य संघर्षों से कहीं ज्यादा लंबा चल सकता है। उन्होंने साफ किया कि जंग कब खत्म होगी, यह फैसला ट्रंप नहीं करेंगे। यह चेतावनी इस साल

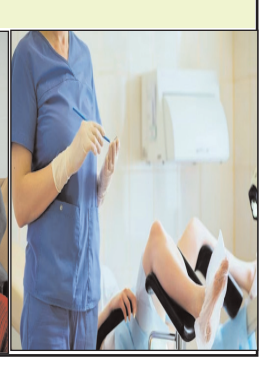


हुए सैन्य संघर्ष के बाद आई है। 28 फरवरी को अमेरिका और इस्त्राइल ने ईरान पर हमले किए थे। इसके बाद करीब 40 दिनों तक दोनों पक्षों के बीच भीषण सैन्य संघर्ष चला। अप्रैल तक भारी लड़ाई धीरे-धीरे कम हो गई। हालांकि, दोनों पक्षों के बीच रुक-रुककर जवाबी हमले होते रहे।

इस बीच, ईरान ने अमेरिका और इस्त्राइल के कथित हमलों से जुड़े दस्तावेज और तस्वीरें अंतरराष्ट्रीय समुद्री संगठन (आईएमओ) को सौंपे हैं। अल जजीरा के मुताबिक, ईरान ने इन सबूतों को एक रिपोर्ट के साथ भेजा है। इन सबूतों को आईएमओ के सदस्य देशों के बीच औपचारिक रूप से भेजा गया है। इन पर विचार किया जाएगा। इन्हें एजेंडा आइटम 11 के तहत रखा गया है। इसका शीर्षक 'अहम समुद्री मार्गों की सुरक्षा' है। इन सबूतों की समीक्षा लंदन में होने वाली परिषद की बैठक में होगी। यह बैठक 2 से 6 नवंबर तक चलेगी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध





TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai-400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L.T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW


(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

गरीबी से मुक्ति: भारत में उम्मीद का नया उजाला



-ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की वास्तविक प्रगति का आकलन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, सकल घरेलू उत्पाद, औद्योगिक विस्तार अथवा वैश्विक आर्थिक रैंकिंग से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब उसका लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे, निर्धनता का दायरा सिमटे, सामान्य नागरिक के जीवन में सुरक्षा, सम्मान और समृद्धि का संचार हो, गरीबी का कलंक मिटे तथा आर्थिक अवसरों पर सबका समान अधिकार स्थापित हो। इस दृष्टि से भारत में गरीबी और निर्धनता के स्तर में आई उल्लेखनीय गिरावट एक ऐतिहासिक उपलब्धि और नए भारत के निर्माण का शुभ संकेत है। विश्व बैंक की नवीनतम रिपोर्ट में भारत की इस प्रगति को वैश्विक स्तर पर गरीबी में आई सबसे तेज गिरावटों में से एक माना जाना इस उपलब्धि को और महत्वपूर्ण बनाता है। यह केवल आर्थिक आंकड़ों का परिवर्तन नहीं, बल्कि करोड़ों लोगों के जीवन में आए सकारात्मक बदलाव की कहानी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले एक दशक में गरीबी उन्मूलन की दिशा में किए गए प्रयासों का यह एक महत्वपूर्ण परिणाम है, एक शुभ एवं श्रेयस्कर भविष्य की आहट है।

विश्व बैंक की रिपोर्ट के अनुसार, वर्ष 2011 से 2023 के बीच भारत में अत्यधिक निर्धनता की दर 27.1 प्रतिशत से घटकर 2.6 प्रतिशत रह गई। इसी अवधि में 4.20 डॉलर प्रतिदिन की अंतरराष्ट्रीय निर्धनता सीमा के अंतर्गत आने वाली आबादी का अनुपात 57.7 प्रतिशत से घटकर 16.1 प्रतिशत हो गया। इसका अर्थ है कि लगभग 49.6 करोड़ लोग गरीबी के दायरे से बाहर आए। वर्ष 2028 तक इस अनुपात के 12.1 प्रतिशत तक पहुंचने का अनुमान भी व्यक्त किया गया है। ये आंकड़े भारत की आर्थिक और सामाजिक यात्रा में एक बड़े परिवर्तन के प्रमाण हैं। विशेष बात यह है कि भारत ने इतनी बड़ी आबादी, व्यापक सामाजिक विविधता और कोविड जैसी वैश्विक महामारी की चुनौतियों के बावजूद निर्धनता कम करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की है, यह मोदी सरकार की युगान्तरकारी जन-कल्याण योजनाओं एवं गरीबी उन्मूलन के संकल्पों का ही परिणाम है। इस परिवर्तन के पीछे केवल आर्थिक विकास नहीं, बल्कि विकास को जनकल्याण से जोड़ने की नीति भी महत्वपूर्ण रही है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में जनधन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला योजना, स्वच्छ भारत मिशन, हर घर जल, आयुष्मान भारत, मुद्रा योजना और मुफ्त खाद्यान्न वितरण जैसी योजनाओं ने निर्धन परिवारों के जीवन में व्यापक बदलाव लाने का काम किया है। इन योजनाओं की विशेषता यह है कि इन्होंने गरीबी को केवल आय की कमी के रूप में नहीं देखा, बल्कि आवास, स्वास्थ्य, शिक्षा, स्वच्छता, पेयजल, बिजली, भोजन और वित्तीय समावेशन जैसी बुनियादी आवश्यकताओं से जोड़कर उसका समाधान करने का प्रयास किया है।

किसी निर्धन परिवार को पक्का मकान मिलना केवल आवास की उपलब्धता नहीं, बल्कि उसे संपत्ति, सुरक्षा और सामाजिक प्रतिष्ठा प्रदान करना है। घर में बिजली, शौचालय और नल से जल की सुविधा उपलब्ध होना उसके जीवन की गुणवत्ता में बुनियादी परिवर्तन लाता है। जनधन खातों और आधार जैसी व्यवस्थाओं ने नागरिकों को वित्तीय एवं वैधानिक पहचान प्रदान की है। आयुष्मान भारत ने स्वास्थ्य संकट के समय गरीब परिवारों को आर्थिक सुरक्षा देने का आधार तैयार किया है। विश्व बैंक ने गरीबी में कमी के प्रमुख कारणों में उपभोग में वृद्धि, रोजगार के अवसरों का विस्तार, विशेषकर महिलाओं की रोजगार में बढ़ती भागीदारी और खाद्य सब्सिडी सहित सामाजिक कल्याणकारी हस्तांतरणों की भूमिका को रेखांकित किया है। वर्ष 2017 से 2023 के बीच रोजगार में लगभग 13.4 करोड़ लोगों की वृद्धि होना भी महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इसमें ग्रामीण महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय है। ग्रामीण अर्थव्यवस्था में महिलाओं की बढ़ती आर्थिक सक्रियता परिवारों की आय बढ़ाने के साथ-साथ सामाजिक आत्मनिर्भरता और निर्णय क्षमता को भी मजबूत करती है। ग्रामीण भारत में निर्धनता की तेज गिरावट ने ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों के बीच आर्थिक अंतर को भी कम करने में योगदान दिया है।

एक अन्य महत्वपूर्ण संकेतक गिनी सूचकांक है, जिसके माध्यम से आय अथवा उपभोग के वितरण में असमानता का आकलन किया जाता है। उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार भारत का उपभोग आधारित गिनी सूचकांक 23 तक पहुंचा है, जो अपेक्षाकृत कम असमानता का संकेत देता है। यह अमेरिका और दक्षिण अफ्रीका जैसे देशों की तुलना में भारत की बेहतर स्थिति को दर्शाता है। हालांकि यहां यह समझना आवश्यक है कि उपभोग आधारित गिनी सूचकांक समाज में संपत्ति, आय और अवसरों की समग्र असमानता का पूरा चित्र प्रस्तुत नहीं करता। इसलिए गरीबी में कमी को आर्थिक समानता की पूर्ण उपलब्धि मान लेना उचित नहीं होगा। यही वह बिंदु है, जहां भारत की विकास यात्रा का आलोचनात्मक मूल्यांकन आवश्यक हो जाता है। एक ओर करोड़ों लोग गरीबी से बाहर निकल रहे हैं, दूसरी ओर समाज में संपत्ति और आर्थिक संसाधनों का संकेंद्रण एक गंभीर चुनौती बना हुआ है। उच्च आय वर्ग और सामान्य मेहनतकश नागरिक के बीच जीवन की सुविधाओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और अवसरों का अंतर अभी भी व्यापक है। गुणवत्तापूर्ण रोजगार की कमी, असंगठित क्षेत्र में काम करने वालों की असुरक्षा, युवाओं में बेरोजगारी, कृषि पर निर्भर परिवारों की सीमित आय और महिलाओं को समान पारिश्रमिक न मिलना ऐसे प्रश्न हैं, जिनका समाधान किए बिना समतामूलक समाज की कल्पना अधूरी रहेगी। गरीबी का कम होना और अमीरी-गरीबी के बीच की खाई का कम होना दो अलग-अलग स्थितियां हैं। पहली उपलब्धि उत्साह देती है, लेकिन दूसरी चुनौती पर निरंतर ध्यान देना आवश्यक है।

भारत को अब ऐसी विकास नीति की आवश्यकता है, जिसमें आर्थिक प्रगति का लाभ केवल कुछ क्षेत्रों, वर्गों अथवा उद्योगों तक सीमित न रहे। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं, कौशल विकास, छोटे उद्यमों को प्रोत्साहन, कृषि का आधुनिकीकरण, श्रमिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा और महिलाओं के लिए सम्मानजनक रोजगार के अवसर इस दिशा में निर्णायक भूमिका निभा सकते हैं। कर व्यवस्था में न्यायपूर्ण संतुलन, ग्रामीण एवं पिछड़े क्षेत्रों में निवेश और सामाजिक कल्याणकारी योजनाओं की पारदर्शिता भी आवश्यक है। विकास का वास्तविक उद्देश्य अवसरों की समानता पैदा करना होना चाहिए, न कि केवल आर्थिक आंकड़ों में ऊंचाई हासिल करना। भारत आज दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे समय में गरीबी में कमी की यह उपलब्धि विशेष महत्व रखती है। वर्ष 2047 तक विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा, जब आर्थिक शक्ति के साथ सामाजिक न्याय, मानवीय गरिमा और अवसरों की समानता भी सुनिश्चित हो। गरीबी-मुक्त भारत का सपना केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि रोजगार, उद्यमिता, शिक्षा, सामाजिक सहभागिता और न्यायपूर्ण आर्थिक व्यवस्था के समन्वय से साकार होगा। विश्व बैंक की ताजा रिपोर्ट भारत में गरीबी से मुक्ति की ओर बढ़ते कदमों और करोड़ों जीवन में फैलती खुशहाली की ऐसी उजली तस्वीर प्रस्तुत करती है, मानो दीपावली के पर्व पर विकास के दीप जल उठे हों। यह केवल आंकड़ों की रोशनी नहीं, बल्कि उन करोड़ों परिवारों के जीवन में उम्मीद, आत्मविश्वास और सम्मान का उजाला है, जो अभावों के अंधकार से निकलकर समृद्धि की ओर बढ़ रहे हैं। सचमुच, इस बार दीपावली के दीपों में नए भारत की प्रगति और गरीबों के जीवन में आए उजास की चमक भी दिखाई दे रही है। निस्संदेह, गरीबी के मोर्चे पर भारत की यह सफलता नए भारत, समृद्ध भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत आधारशिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शासनकाल की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में करोड़ों लोगों को निर्धनता के दायरे से बाहर लाना एक उल्लेखनीय स्थान रखता है। लेकिन इस उपलब्धि का अगला चरण आर्थिक असमानता की खाइयों को पाटना और विकास की रोशनी को समाज के प्रत्येक वर्ग तक पहुंचाना होना चाहिए। विकसित भारत की पहचान केवल उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं, बल्कि इस बात से होगी कि वहां कोई व्यक्ति अभाव, भुखमरी, अशिक्षा और असहायता में जीवन जीने को विवश न हो। 2047 का भारत तभी वास्तविक अर्थों में विकसित और समृद्ध होगा, जब उसकी प्रगति का लाभ अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति तक पहुंचेगा और आर्थिक समृद्धि के साथ सामाजिक समरसता एवं समानता भी उसकी पहचान बनेगी। यही नए भारत का स्वप्न है और यही उसकी विकास यात्रा की सबसे बड़ी कसौटी भी।

मणिपुर का नया उबाल: शांति की तलाश में भटकता पूर्वोत्तर



अशोक भाटिया

मई २०२३ से निरंतर सुलग रही जातीय हिंसा की आग में झुलस रहा पूर्वोत्तर का सीमांत राज्य मणिपुर एक बार फिर भीषण जन-आक्रोश के मुहाने पर खड़ा हो गया है। ३१ अक्टूबर २०२६ को राजधानी इंफाल की सड़कों पर उमड़ा अभूतपूर्व जनसैलाब केवल एक आम विरोध प्रदर्शन नहीं था, बल्कि यह राज्य में साढ़े तीन साल से अधिक समय से जारी अस्थिरता, सामूहिक असुरक्षा और प्रशासनिक शून्यता के खिलाफ फूटा एक ऐतिहासिक जनाक्रोश था। 'कोऑर्डिनेटिंग कमेटी ऑन मणिपुर इंटीग्रिटी' द्वारा आयोजित और विभिन्न नागा नागरिक निकायों द्वारा समर्थित इस 'महा-रैली' ने मणिपुर के जटिल संघर्ष परिदृश्य में एक अभूतपूर्व नए सामाजिक संरेखण को जन्म दिया है। हाल ही में उग्रवादियों द्वारा १४ मैतेई पुरुषों पर घात लगाकर किए गए हमले और उसमें तीन ग्रामीणों की निर्मम हत्या ने इस नए उबाल को भड़काने में बारूद का काम किया। इस ऐतिहासिक जन-एकजुटता ने सीधे तौर पर नई दिल्ली की नीतियों, केंद्रीय सुरक्षा व्यवस्था की संदिग्ध तटस्थता, स्थानीय शासन की अक्षमता और कुकी-जो उग्रवादी समूहों के साथ हुए 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस' समझौते को देश के सबसे बड़े लोकतांत्रिक कटघरे में ला खड़ा किया है।

मणिपुर का यह संकट मूल रूप से घाटी में रहने वाले बहुसंख्यक मैतेई समुदाय, जो राज्य की लगभग ६० प्रतिशत आबादी होने के बावजूद मात्र १० प्रतिशत भूभाग पर सिमटे हैं, और पहाड़ी क्षेत्रों में सदियों से निवास करने वाले कुकी-जो एवं नागा समुदायों के बीच एक गहरी अविश्वास की खाई का परिणाम है। मई २०२३ में जब मैतेई समुदाय द्वारा अनुसूचित जनजाति दर्जे की मांग की गई और कुकी समूहों द्वारा इसका प्रतिवाद किया गया, तब भड़की जातीय चिंगारी ने समूचे सूबे के सामाजिक ताने-बाने को राख में तब्दील कर दिया। इस निरंतर जारी संघर्ष ने ३०० से अधिक जानें ली हैं और लगभग ६०,००० से अधिक नागरिकों को आंतरिक रूप से विस्थापित होने पर मजबूर कर दिया है, जो आज भी राहत शिविरों में अपनी पहचान की भीख मांग रहे हैं। परंतु, वर्ष २०२६ का उत्तरार्ध आते-आते सुरक्षात्मक और सामाजिक मोर्चे पर एक गहरा बदलाव आया है। केंद्रीय व्यवस्था के बाद, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पटरी पर लाने के लिए फरवरी २०२६ में भाजपा नेता युमनम खेमचंद सिंह को नया मुख्यमंत्री नियुक्त किया गया।

लेकिन यह सत्ता परिवर्तन भी राज्य में स्थाई शांति लाने में विफल रहा। नए राजनीतिक नेतृत्व के आते ही पहाड़ी इलाकों में कुकी और नागा समुदायों के बीच नए सिरे से हिंसक झड़पें शुरू हो गईं, जिसमें देखते ही देखते लगभग ५० लोगों की जान चली गई। इस नए हिंसक मोड़ ने नागा समाज को अपनी सुरक्षा के प्रति अत्यधिक चिंतित कर दिया, जिसके परिणामस्वरूप ३१ अक्टूबर की रैली में इतिहास में पहली बार मैतेई, नागा, पांगल और अन्य स्वदेशी समुदाय म्यांमार सीमा से सटे पहाड़ी और घाटी क्षेत्रों की सुरक्षा के लिए एक साझा मंच पर कंधे से कंधा मिलाकर खड़े नजर आए। यह

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

उभरता हुआ गठबंधन घाटी और पहाड़ों के एक बड़े हिस्से को एक सूत्र में पिरोता है, जो वर्तमान में कुकी सशस्त्र समूहों की आक्रामक गतिविधियों को अपनी अस्मिता और क्षेत्रीय अखंडता के लिए सबसे बड़ा खतरा मान रहे हैं। इंफाल के ऐतिहासिक कांग्ला फोर्ट से लेकर चंदेल और सेनापति जिलों के सुदूर पहाड़ी रास्तों तक गूंज रही इन नागरिक मांगों के केंद्र में तीन ऐसे बिंदु हैं, जो भारत की आंतरिक सुरक्षा नीति पर गहरे सवालिया निशान खड़े करते हैं। प्रदर्शनकारियों की सबसे पहली और मुखर मांग त्रिपक्षीय 'सस्पेंशन ऑफ ऑपरेशंस' समझौते को तत्काल प्रभाव से रद्द करने की है। नागरिक संगठनों का आरोप है कि इस युद्धविराम समझौते की आड़ में उग्रवादी शिविरों से बाहर आ रहे हैं और अत्याधुनिक हथियारों का खुलेआम प्रदर्शन कर आम बस्तियों और राजमार्गों पर हमलों को अंजाम दे रहे हैं। यद्यपि हाल के दिनों में सेना और केंद्रीय सुरक्षा बलों ने कुछ उग्रवादी शिविरों का नियंत्रण हाथ में लेकर भौतिक ऑडिट की योजना प्रस्तुत की है, परंतु निरंतर भय के साए में जी रही जनता के लिए यह कदम अपर्याप्त और लीपापोती जैसा प्रतीत होता है। इससे भी अधिक गंभीर बात यह है कि इस आंदोलन के माध्यम से जनता ने सीधे भारत सरकार पर मणिपुर में एक छद्म युद्ध चलाने का आरोप लगाया है। विशेष रूप से असम राइफल्स की भूमिका को लेकर मैतेई और नागा नागरिक समाजों में तीव्र रोष व्याप्त है। उन पर पक्षपात करने और उग्रवादी गतिविधियों पर मूकदर्शक बने रहने के आरोप लगाते हुए प्रदर्शनकारियों ने उन्हें संवेदनशील अंतरराष्ट्रीय सीमावर्ती क्षेत्रों से हटाने और उनकी जगह सीमा सुरक्षा बल या अन्य निष्पक्ष केंद्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की मांग की है। इन सुरक्षात्मक मांगों के समानांतर, पिछले साढ़े तीन वर्षों से भीषण अमानवीय परिस्थितियों में जी रहे हजारों आंतरिक रूप से विस्थापित व्यक्तियों की सुरक्षित और गरिमापूर्ण वापसी का मुद्दा भी अब एक जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। इसके साथ ही, पड़ोसी देश म्यांमार में जारी गृहयुद्ध के कारण हो रहे अनियंत्रित अवैध प्रवासन को रोकने के लिए वर्ष १९५१ को आधार वर्ष मानकर राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर को राज्य में तुरंत प्रभाव से लागू करने की मांग स्वदेशी संगठनों के लिए एक गैर-परक्राम्य अस्मिता की लड़ाई बन चुकी है। मणिपुर की यह अंतहीन त्रासदी महज एक कानून-व्यवस्था की समस्या या दो समुदायों का आपसी विवाद नहीं है, बल्कि यह स्वतंत्र भारत के इतिहास की सबसे बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक विफलता का जीता-जागता स्मारक है। नई दिल्ली और इंफाल की सरकारों ने संकट के शुरूआती दौर में जिस वैचारिक ढुलमुलपन और रणनीतिक उदासीनता का परिचय दिया, उसी का खामियाजा आज पूरा पूर्वोत्तर भुगत रहा है। यह प्रशासनिक गतिरोध साफ तौर पर बयां करता है कि मणिपुर की चुनी हुई सत्ता और उसकी पीड़ित जनता के बीच संवाद के तमाम पुल पूरी तरह से ध्वस्त हो चुके हैं।

जब तक व्यवस्था में गहरे पैठ चुके राजनीतिक नेतृत्व के संकट को दूर नहीं किया जाएगा और सभी पक्षों को एक मेज पर लाने की ईमानदार कोशिश नहीं होगी, तब तक बंदूक की नोक पर थोपी गई शांति अस्थाई ही साबित होगी। मणिपुर आज भारत की अखंडता, संप्रभुता और विविध संस्कृतियों के सह-अस्तित्व के सिद्धांत की सबसे कठिन अग्निपरीक्षा ले रहा है। मैतेई और नागा नागरिक समाजों का यह नया जुड़ाव जहां एक तरफ स्वदेशी सुरक्षा चिंताओं को वैश्विक पटल पर लाता है, वहीं दूसरी तरफ केंद्र सरकार को यह अंतिम चेतावनी भी देता है कि यदि समय रहते न्यायपूर्ण और कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो आगामी २०२७ के मणिपुर विधानसभा चुनावों से पहले समूचा राज्य एक ऐसे व्यापक हिंसक संघर्ष की चपेट में आ सकता है जिसे संभालना सुरक्षा बलों के वश में भी नहीं रहेगा। शांति का वास्तविक मार्ग उग्रवादी तत्वों को राजनीतिक संरक्षण देने या केवल सैन्य बल के क्रूर प्रदर्शन से कभी नहीं निकल सकता। केंद्र सरकार को रद्दड समझौते के जमीनी नियमों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराना होगा और जो भी सशस्त्र समूह इस देश के कानून को चुनौती देकर हिंसा में लिप्त हैं, उनके खिलाफ निर्णायक कार्रवाई करनी होगी। इसके साथ ही, विस्थापितों को उनके मानवाधिकार, गरिमापूर्ण जीवन और सुरक्षा की संवैधानिक गारंटी देकर पुनर्वास को सर्वोच्च प्राथमिकता देनी होगी। मणिपुर की ऐतिहासिक धरती को रक्तपात से बचाने के लिए देश के शीर्ष नेतृत्व को अपनी उदासीनता का परित्याग करना होगा। नई दिल्ली को दिल्ली के कमरों से बाहर निकलकर सभी समुदायों के दिलों में विश्वास की नई अलख जगानी होगी और एक ऐसी दीर्घकालिक, पारदर्शी और न्यायसंगत शांति नीति का निर्माण करना होगा, जिसमें किसी भी स्वदेशी नागरिक को अपनी ही पैतृक जमीन पर बेगाना महसूस न करना पड़े।

रामलीला में अखिलेश की हुंकार, यूपी में गठबंधन की एकता पर सवाल!

दिल्ली के रामलीला मैदान से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा के खिलाफ ऐसी हुंकार भरी है, जिसकी असली परीक्षा अब उत्तर प्रदेश में होगी। एक नवंबर को इंडिया गठबंधन की महारैली में विपक्षी नेताओं ने एक मंच पर खड़े होकर चुनावी व्यवस्था, कथित वोट चोरी और भाजपा की राजनीति पर हमला बोला। अखिलेश ने दावा किया कि 2027 में उत्तर प्रदेश से भाजपा की विदाई होगी। उन्होंने यहां तक कहा कि यूपी के लोग स्वागत अच्छा करते हैं तो विदाई उससे भी बेहतर करते हैं। उनके इस बयान ने सियासी हलचल बढ़ा दी है। मगर सवाल यह है कि जो विपक्ष दिल्ली के रामलीला मैदान में एकजुट दिखाई दिया, क्या वह लखनऊ पहुंचते-पहुंचते भी अपनी एकजुटता बचा पाएगा? क्योंकि भाजपा को सत्ता से हटाने की लड़ाई में सबसे बड़ा रोड़ा विपक्ष की अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाएं बन सकती हैं।अखिलेश यादव ने अपने भाषण में उत्तर प्रदेश को बदलाव की राजनीति का केंद्र बताया। उन्होंने रामलीला मैदान को लोकतंत्र की हल्दीघाटी बताते हुए कहा कि परिवर्तन का संदेश यहीं से निकलेगा। भाजपा पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि जिनकी जमीन ही नहीं बची, वे पैर कहां रखेंगे। उनका इशारा केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के अंगद के पैर वाले बयान की तरफ था।अखिलेश ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के 1.27 करोड़ हिंदू मतदाताओं के नाम कटने संबंधी बयान को भी राजनीतिक हथियार बनाया। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर यह आंकड़ा कहां से आया और इसकी जानकारी किस आधार पर दी गई? उनका कहना था कि जब सरकार के मुखिया ही इतने बड़े आंकड़े की बात कर रहे हैं तो इस सवाल पर विपक्ष की आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता।हालांकि मतदाता सूची में नाम कम होने और कथित वोट चोरी के आरोपों को एक ही तथ्य मानना उचित नहीं है। नाम हटने की वजह, पात्र मतदाताओं की स्थिति और निर्वाचन प्रक्रिया के आधिकारिक आंकड़ों की जांच जरूरी है। विपक्ष को अपने आरोपों के समर्थन में प्रमाण भी सामने रखने होंगे।

अखिलेश यादव की राजनीतिक आक्रामकता के पीछे 2024 के लोकसभा चुनाव का परिणाम है। उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में समाजवादी पार्टी ने 37 और कांग्रेस ने छह सीटें जीती थीं। दोनों दलों का संयुक्त आंकड़ा 43 सीटों तक पहुंच गया था। भाजपा 33 सीटों पर सिमट गई थी। यह परिणाम इसलिए महत्वपूर्ण था क्योंकि उत्तर प्रदेश लंबे समय से भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति का सबसे मजबूत आधार बना हुआ है।सपा ने पहली बार प्रदेश में लोकसभा चुनाव के दौरान इतनी बड़ी राजनीतिक बढ़त हासिल की। अखिलेश ने अपने पीडीए समीकरण को चुनावी परिणाम में बदलकर दिखाया। कांग्रेस को भी गठबंधन से नई राजनीतिक ताकत मिली। यही वजह है कि दोनों दल अब 2027 के विधानसभा चुनाव को सत्ता परिवर्तन के बड़े अवसर के रूप में देख रहे हैं।लेकिन 2024 की जीत को



-अजय कुमार

2027 की जीत की गारंटी समझना सबसे बड़ी राजनीतिक भूल होगी। लोकसभा और विधानसभा चुनाव के मुद्दे अलग होते हैं। स्थानीय उम्मीदवार, जातीय समीकरण, संगठन की सक्रियता और सरकार के कामकाज का असर विधानसभा चुनाव में कहीं अधिक दिखाई देता है।उत्तर प्रदेश की विधानसभा में कुल 403 सीटें हैं और बहुमत के लिए 202 सीटों की जरूरत होती है। 2022 के चुनाव में भाजपा ने अकेले 255 सीटें जीतकर सरकार बनाई थी। समाजवादी पार्टी 111 सीटों तक पहुंची थी। कांग्रेस को केवल दो सीटें मिली थीं। भाजपा के सहयोगियों को मिलाकर एनडीए की संख्या 273 तक पहुंच गई थी।इन आंकड़ों से साफ है कि विपक्ष को सत्ता तक पहुंचने के लिए अपनी पिछली स्थिति से काफी आगे जाना होगा। 2024 में लोकसभा की 43 सीटें जीतना बड़ी उपलब्धि जरूर है, लेकिन विधानसभा की 202 सीटों का लक्ष्य हासिल करने के लिए विपक्ष को हर क्षेत्र में मजबूत उम्मीदवार और भरोसेमंद संगठन चाहिए।भाजपा को हराने के लिए केवल नाराजगी का माहौल बनाना काफी नहीं होगा। जनता को यह भी भरोसा देना होगा कि सत्ता मिलने पर सरकार किस दिशा में काम करेगी।गठबंधन की सबसे कठिन परीक्षा सीटों के बंटवारे में होगी। कांग्रेस 2024 के प्रदर्शन के बाद उत्तर प्रदेश में अपनी राजनीतिक हिस्सेदारी बढ़ाना चाहती है। पार्टी की नजर उन सीटों पर है जहां उसका पुराना जनाधार और मजबूत उम्मीदवार मौजूद हैं। दूसरी तरफ सपा खुद को प्रदेश की सबसे बड़ी विपक्षी ताकत मानती है।मई 2026 में सामने आए राजनीतिक घटनाक्रम के अनुसार कांग्रेस ने 100 से 125 सीटों पर मजबूत उम्मीदवार तैयार करने की रणनीति बनाई थी। वहीं सपा सीटों की संख्या के बजाय जीतने की संभावना को प्राथमिकता देने की बात कहती रही है। दोनों दलों के बीच अंतिम सीट समझौता अभी होना बाकी है।यहीं से गठबंधन की असली परेशानी शुरू होती है। कांग्रेस को ज्यादा सीटें मिलती हैं तो सपा के स्थानीय नेताओं की नाराजगी बढ़ सकती है। सपा ज्यादा सीटें अपने पास रखती है तो कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में असंतोष पैदा हो सकता है। दोनों दलों के सामने अपने-अपने राजनीतिक आधार को बचाने की चुनौती है।2017 का अनुभव भी सामने है। उस समय सपा और कांग्रेस ने मिलकर विधानसभा चुनाव लड़ा था। कांग्रेस को 105 सीटें दी गई थीं, लेकिन पार्टी केवल सात सीटें जीत सकी थी। सपा को भी सत्ता से बाहर होना पड़ा था। 2022 में दोनों दल अलग-अलग लड़े और कांग्रेस दो सीटों पर सिमट गई। ऐसे में दोनों को समझना होगा कि गठबंधन की मजबूती केवल सीटों की संख्या से नहीं, बल्कि सही उम्मीदवार और जमीनी तालमेल से तय होती है।

अखिलेश यादव की राजनीति का सबसे बड़ा आधार पीडीए है। पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक वर्गों को एक राजनीतिक मंच पर लाने की उनकी कोशिश ने 2024 में सपा को बड़ी सफलता दिलाई। मगर 2027 में इस समीकरण को बनाए रखना आसान नहीं होगा।कांग्रेस का अपना सामाजिक आधार है। सपा का अपना संगठन और मतदाता वर्ग है। छोटे सहयोगी दल भी अपनी हिस्सेदारी चाहते हैं। ऐसे में अखिलेश को सबको साथ लेकर चलना होगा। केवल बड़े नेताओं की संयुक्त तस्वीर से मतदाता एक साथ नहीं आते। इसके लिए गांवों, कस्बों और बूथों तक साझा अभियान चलाना होगा।बसपा प्रमुख मायावती की राजनीति भी इस समीकरण को प्रभावित कर सकती है। दलित मतदाताओं के बीच बसपा का प्रभाव पूरी तरह समाप्त नहीं हुआ है। इसलिए सपा और कांग्रेस को यह समझना होगा कि दलित मतदाताओं का समर्थन केवल नारों से नहीं, भरोसे और राजनीतिक भागीदारी से हासिल होगा।भाजपा को विपक्ष की एकजुटता से राजनीतिक चुनौती जरूर मिलेगी, लेकिन उसे कमजोर समझना विपक्ष की बड़ी भूल होगी। भाजपा के पास प्रदेशव्यापी संगठन, बूथ स्तर तक कार्यकर्ताओं का नेटवर्क और सरकार का अनुभव है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पार्टी पहले से चुनावी तैयारी में जुटी है।विपक्ष को महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य और कानून व्यवस्था जैसे सवालों पर सरकार को घेरना होगा। साथ ही यह भी बताना होगा कि सत्ता में आने पर वह इन समस्याओं का समाधान कैसे करेगा।रामलीला मैदान में अखिलेश यादव ने भाजपा को चुनौती देने का ऐलान कर दिया है। लेकिन अब उन्हें अपने सहयोगियों को साथ रखने, सीटों का विवाद सुलझाने और कार्यकताओं को एकजुट करने का कठिन काम करना होगा। 2027 की लड़ाई में अखिलेश यादव के पास 2024 का आत्मविश्वास है, लेकिन भाजपा के पास 2022 की सत्ता और मजबूत संगठन है। कांग्रेस के सामने अपनी राजनीतिक जमीन बढ़ाने का अवसर है, जबकि सपा के सामने प्रदेश में अपनी सबसे बड़ी विपक्षी ताकत की पहचान बचाए रखने की चुनौती है।रामलीला मैदान में विपक्ष ने भाजपा के खिलाफ आवाज बुलंद कर दी है। मगर दिल्ली में हाथ उठाकर एकता दिखाना और उत्तर प्रदेश की 403 सीटों पर एक साथ चुनाव लड़ना दो अलग-अलग बातें हैं। अगर सीटों की खींचतान, नेतृत्व की महत्वाकांक्षा और स्थानीय गुटबाजी हावी हुई तो यह एकता चुनाव से पहले ही कमजोर पड़ सकती है।अखिलेश यादव को अब केवल भाजपा की विदाई का नारा नहीं देना है, बल्कि अपने सहयोगियों को यह भरोसा भी दिलाना है कि गठबंधन में सबकी राजनीतिक हिस्सेदारी सुरक्षित रहेगी। क्योंकि उत्तर प्रदेश की सत्ता का रास्ता रामलीला मैदान से नहीं, बल्कि उन हजारों बूथों से होकर गुजरता है जहां मतदाता अपना फैसला सुनाता है। 2027 में भाजपा की विदाई होगी या विपक्ष की एकता की परीक्षा में फिर दरार पड़ेगी, इसका जवाब नारों से नहीं, जमीन पर किए गए काम से मिलेगा।

आजम की कैद में अखिलेश की सियासत, ओवैसी के लिए खुला मैदान

रामपुर जेल का दरवाजा खुला तो आजम खान ने बाहर की हवा में सांस लेने की उम्मीद की होगी, लेकिन आजादी की यह सुबह महज कुछ मिनटों की मेहमान निकली। जेल से बाहर आते ही प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया। जिस नेता की रिहाई को समाजवादी पार्टी 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले अपने मुस्लिम नेतृत्व की ताकत दिखाने के अवसर के रूप में देख सकती थी, वह फिर सलाखों के पीछे पहुंच गया। एक ही घटनाक्रम में सपा के सामने तीन सवाल खड़े हो गए हैं। आजम खान की गैरमौजूदगी में रामपुर की राजनीति किसके इर्द-गिर्द घूमेगी? मुस्लिम नेतृत्व के सवाल पर अखिलेश यादव ओवैसी को क्या जवाब देंगे? और क्या सपा अपने सबसे पुराने मुस्लिम राजनीतिक चेहरों में से एक के साथ खड़े होने का भरोसा कायम रख पाएगी? आजम खान की गिरफ्तारी को केवल एक कानूनी घटनाक्रम मानकर छोड़ देना उत्तर प्रदेश की राजनीति के एक महत्वपूर्ण पहलू को नजरअंदाज करना होगा। 31 अक्टूबर 2026 को दो पैन कार्ड मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम रामपुर जेल से बाहर आए। लेकिन आजम की रिहाई के तुरंत बाद ईडी ने जौहर ट्रस्ट से जुड़े धनशोधन मामले में उन्हें गिरफ्तार कर लिया। एक नवंबर को गाजियाबाद की विशेष अदालत ने उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। यानी जिस रिहाई को राजनीतिक वापसी की शुरूआत माना जा रहा था, वह फिर कानूनी लड़ाई में बदल गई।

इस मामले में 494.46 करोड़ रुपये और 78.32 करोड़ रुपये के बीच का अंतर सबसे महत्वपूर्ण है। जिला मूल्यांकन अधिकारी की रिपोर्ट के मुताबिक, जौहर विश्वविद्यालय की 59 इमारतों के निर्माण की लागत 494.46 करोड़ रुपये आंकी गई। दूसरी तरफ जौहर ट्रस्ट ने आयकर रिकॉर्ड में वित्त वर्ष 2013-14 से 2024-25 के दौरान 78.32 करोड़ रुपये का पूंजीगत खर्च दिखाया। ईडी के मुताबिक, दोनों आंकड़ों के बीच 416.14 करोड़ रुपये का अंतर है, जिसका संतोषजनक हिसाब नहीं मिला। एजेंसी ने सरकारी धन के कथित इस्तेमाल और वित्तीय लेनदेन की भी जांच की है। हालांकि, यह जांच एजेंसी के आरोप हैं, इन्हें अदालत में साबित होना बाकी है। आरोपों को ही अंतिम फैसला मान लेना न्यायिक प्रक्रिया के साथ अन्याय होगा। आजम खान का राजनीतिक महत्व समझने के लिए उनके चुनावी सफर पर नजर डालना जरूरी है।



-संजय सक्सेना

वह रामपुर से दस बार विधायक चुने गए। चार बार मंत्री रहे और दो बार लोकसभा पहुंचे। 1980 में पहली बार विधानसभा पहुंचे आजम खान ने चार दशक से अधिक समय तक रामपुर की राजनीति में अपनी मौजूदगी बनाए

30 घंटे से लापता विजय सेल्स के वॉचमैन का पानी की टंकी में मिला शव



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। शहर के कल्याण नाका स्थित विजय सेल्स में कार्यरत 50 वर्षीय वॉचमैन का शव इमारत परिसर की पानी की टंकी में मिलने से हड़कंप मच गया। मृतक की पहचान मंगेश दादाराव शिरमाले के रूप में हुई है। वह पिछले 30 घंटे से लापता थे। पुलिस के अनुसार, मंगेश शिरमाले पिछले पांच-छह वर्षों से विजय सेल्स में वॉचमैन के रूप में कार्यरत थे। शुक्रवार (30 अक्टूबर) को उन्हें सीसीटीवी कैमरे में प्रतिष्ठान से बाहर जाते हुए देखा गया था, लेकिन इसके बाद वह वापस लौटते दिखाई नहीं दिए। घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। इसी दौरान कर्मचारियों ने परिसर में स्थित करीब साढ़े छह फीट गहरी पानी की टंकी की जांच की, तो उसमें उनका शव मिला। सूचना मिलते ही भिवंडी शहर पुलिस और अग्निशमन दल ने मौके पर पहुंचकर शव को बाहर निकाला और पोस्टमार्टम के लिए सरकारी उपजिला अस्पताल भेज दिया। मंगेश शिरमाले पानी की टंकी तक कैसे पहुंचे और उनकी मौत किन परिस्थितियों में हुई, यह अभी स्पष्ट नहीं हो पाया है। वह दुर्घटनावश टंकी में गिरे या घटना के पीछे कोई अन्य कारण है, इसकी जांच भिवंडी शहर पुलिस कर रही है।

नारपोली पुलिस की कार्रवाई में 58 लाख का प्रतिबंधित गुटखा-पान मसाला के साथ एक गिरफ्तार



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र में प्रतिबंधित गुटखा और पान मसाले की अवैध तस्करी के खिलाफ नारपोली पुलिस और अन्न एवं औषधि प्रशासन ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए 57 लाख 97 हजार रुपये का माल जब्त किया है। इस मामले में टेम्पो चालक लियाकत साबिर अली (39) को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस को तालुका के काल्हेर स्थित अरिहंत कंपाउंड परिसर में टाटा टेम्पो से प्रतिबंधित गुटखा ले जाए जाने की गुप्त सूचना मिली थी। इसके आधार पर पुलिस और अन्न सुरक्षा अधिकारियों की टीम ने संयुक्त छापेमारी कर संदिग्ध टेम्पो की तलाशी ली। इसमें 42 लाख 96 हजार रुपये का प्रतिबंधित कमला पसंद और राजश्री पान मसाला बरामद हुआ। पुलिस ने उत्तर प्रदेश निवासी चालक लियाकत साबिर अली को हिरासत में लेकर 15 लाख रुपये का टेम्पो सहित कुल 57 लाख 97 हजार रुपये का मुद्देमाल जब्त किया। आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया गया है। नारपोली पुलिस निरीक्षक समाधान चव्हाण ने पत्रकार परिषद में बताया कि आरोपी को भिवंडी न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे 4 नवंबर तक पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है।

मुंबई ग्राहक पंचायत की वैचारिक, आध्यात्मिक एवं सांस्कृतिक यात्रा संपन्न



पालघर(उत्तरशक्ति)। मुंबई ग्राहक पंचायत, बोईसर-तारापुर विभाग की ओर से आयोजित एक दिवसीय वैचारिक, आध्यात्मिक, सांस्कृतिक एवं प्रेरणादायी यात्रा उत्साहपूर्ण वातावरण में संपन्न हुई। इस यात्रा में विभाग के लगभग 50 सदस्य शामिल हुए। यात्रा के दौरान भिवंडी तहसील के मराडेपाडा स्थित श्री छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर (शक्तिपीठ शिवक्षेत्र), गणेशपुरी, वज्रेश्वरी योगिनी देवी मंदिर तथा विरार स्थित द्वारकाधीश मंदिर के दर्शन किये गये। मराडेपाडा स्थित श्री छत्रपति शिवाजी महाराज मंदिर में दर्शन के दौरान सदस्यों ने धार्मिक एवं ऐतिहासिक वातावरण का अनुभव किया। इस अवसर पर छत्रपति शिवाजी महाराज के आदर्शों, उनके विचारों, स्वराज्य की प्रेरणा और सामाजिक दायित्वों पर विचार-मंथन भी किया गया। सदस्यों ने शिवराय के विचारों को अपने जीवन में आत्मसात करने का संकल्प व्यक्त किया। मुंबई ग्राहक पंचायत के बोईसर-तारापुर विभाग के सदस्यों ने एकजुट होकर मंदिर के कार्यों के लिए 5,000 रुपये की सामूहिक आर्थिक सहायता प्रदान की। इस पहल के माध्यम से सदस्यों ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक योगदान और सेवा भावना का भी परिचय दिया। यात्रा के दौरान विभिन्न धार्मिक स्थलों के दर्शन से सदस्यों को आध्यात्मिक शांति एवं आत्मिक संतुष्टि प्राप्त हुई। वहीं, आपसी संवाद और विचार-विमर्श के माध्यम से सांस्कृतिक जागरूकता, सामाजिक एकता तथा संगठनात्मक एकजुटता को भी बढ़ावा मिला। सदस्यों ने कहा कि इस तरह के आयोजन संस्था के सदस्यों के बीच आपसी प्रेम, सद्भाव और सामाजिक प्रतिबद्धता को मजबूत करते हैं। इस सफल यात्रा के आयोजन एवं नियोजन में कार्याध्यक्ष माधवी वर्तक, कार्यवाह वैशाली पारवेकर, कोषाध्यक्ष प्रा. संजय घरत, सदस्य स्नेहल वर्तक एवं अमिता पाटील तथा यात्रा आयोजक दीपक भंडारी का विशेष योगदान रहा। यात्रा में शामिल सभी सदस्यों ने आयोजन की सराहना करते हुए भविष्य में भी इस प्रकार के वैचारिक, आध्यात्मिक एवं प्रेरणादायी कार्यक्रम आयोजित करने की अपेक्षा व्यक्त की।

सोनाटा गोल्ड धनतेरस के लिए सोने के सदाबहार आकर्षण को एक नए रूप में पेश किया

मुंबई/पटना। सोनाटा लेकर आए हैं अपने सोनाटा गोल्ड कलेक्शन का नया रूप। खासतौर पर धनतेरस के लिए पेश किए गए इस कलेक्शन में शानदार डिजाइन और नए रंगों का संयोजन देखने को मिलता है। समृद्धि, सौभाग्य और नई शुरूआत के प्रतीक के रूप में सोने के महत्व को ध्यान में रखते हुए, यह कलेक्शन पारंपरिक त्योहारों को आधुनिक डिजाइन और रोजमर्रा की उपयोगिता के साथ एक नया रूप देता है।

अपनी बारीक कारीगरी के साथ, नया सोनाटा गोल्ड कलेक्शन आपके त्योहारों के लुक में चार-चांद लगा देगा। यह सोने के महत्व को ऐसी घड़ी के रूप में पेश करता है, जिसे आप त्योहारों के बाद भी पहन सकते हैं और हमेशा संजोकर रख सकते हैं। परंपरा और रोजमर्रा की जरूरत का बेहतरीन संयोजन होने के कारण, यह कलेक्शन आपकी त्योहारों की खरीदारी को खास बना देगा। क्योंकि यह आपके अपने स्टाइल और त्योहार की भावना को एक साथ लाता है।

सेवा संकल्प अभियान को शानदार प्रतिसाद, एक ही छत के नीचे सैकड़ों नागरिकों की समस्याओं का समाधान

◆मंत्री प्रताप सरनाईक की पहल से सरकारी योजनाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचा; विभिन्न विभागों के माध्यम से सैकड़ों आवेदनों का निपटारा

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। सरकार और आम नागरिकों के बीच की दूरी कम करने तथा पारदर्शी प्रशासन के माध्यम से सरकारी सेवाओं का लाभ सीधे जनता तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित ह्यसेवा संकल्प अभियानह्ल के तालुका स्तरीय शिविर को नागरिकों का उत्साहजनक प्रतिसाद मिला। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री एवं धाराशिव जिले के पालक मंत्री प्रताप सरनाईक के मार्गदर्शन में आयोजित इस शिविर में विभिन्न सरकारी एवं स्थानीय प्रशासनिक विभागों की सेवाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध कराई गईं। अभियान के माध्यम से राजस्व, भूमि अभिलेख, राशन वितरण, स्वास्थ्य, सामाजिक विकास, आरटीओ और सहकारिता सहित विभिन्न विभागों से संबंधित नागरिकों के आवेदनों का निपटारा किया गया। अक्सर सामान्य सरकारी दस्तावेज बनवाने, प्रमाणपत्र प्राप्त करने और विभिन्न योजनाओं का लाभ लेने के लिए नागरिकों को सरकारी कार्यालयों के बार-बार चक्कर लगाने पड़ते हैं। इस समस्या को ध्यान में रखते हुए आयोजित शिविर में किसानों, महिलाओं, वरिष्ठ नागरिकों, दिव्यांगजनों और जरूरतमंद नागरिकों को विभिन्न सरकारी सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया। राजस्व और भूमि



अभिलेख विभाग की महत्वपूर्ण पहल राजस्व विभाग के अंतर्गत आय, निवास, वरिष्ठ नागरिक और नॉन-क्रीमी लेयर सहित विभिन्न प्रमाणपत्रों के कुल 110 प्रमाणपत्र वितरित किए गए। इसके अलावा महिलाओं के नाम पर 7/12 के आठ प्रमाणपत्र, अभियान के तहत 7/12 के 14 प्रमाणपत्र तथा वन अधिकार दावों से संबंधित 7ए के 39 दस्तावेज वितरित किए गए। इस प्रकार राजस्व विभाग के माध्यम से कुल 171 प्रमाणपत्रों एवं दस्तावेजों का वितरण किया गया। भूमि अभिलेख विभाग की ओर से ग्राम सनद, मिल्कियत पत्रिका और सी-कॉपी से संबंधित कुल 49 मामलों को मंजूरी दी गई। वहीं, राशन वितरण विभाग के माध्यम से नए राशन कार्ड बनाने तथा नाम जोड़ने और हटाने से संबंधित 60 आवेदनों का निपटारा किया गया। स्वास्थ्य और सामाजिक विकास विभाग ने भी दी राहत मीरा-भायंदर महानगरपालिका के स्वास्थ्य विभाग ने जन्म एवं विवाह प्रमाणपत्र वितरण, आयुष्मान कार्ड और स्वास्थ्य जांच शिविरों के माध्यम से 49 नागरिकों को लाभान्वित किया। सामाजिक विकास विभाग ने पीएमएससीई पहचान पत्र, स्वयं सहायता समूह प्रमाणपत्र और महिला कल्याणकारी योजनाओं से जुड़े 20 मामलों को पूरा किया।

इसके अतिरिक्त, संपत्ति हस्तांतरण, कर वसूली और विशेष महत्व की सरकारी भूमि पर अतिक्रमण के नियमितीकरण से संबंधित आवेदनों पर भी कार्रवाई की गई। इन श्रेणियों में कुल 489 मामलों का निपटारा किए जाने की जानकारी दी गई। इनमें संपत्ति से संबंधित 140 मामले और अतिक्रमण से जुड़े 140 आवेदन स्वीकृत किए गए। ह्यजनसेवा ही ईश्वर सेवाह्ल : प्रताप सरनाईक

इस अवसर पर मंत्री प्रताप सरनाईक ने कहा कि जनसेवा ही ईश्वर सेवा है और सरकार तथा प्रशासन जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध हैं।

उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी अभियान की सफलता केवल आवेदन स्वीकार करने तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि वास्तविक सफलता इस बात से तय होती है कि कितने नागरिकों की समस्याओं का समाधान हुआ और कितने परिवारों को राहत मिली। उन्होंने महिला किसानों को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाने और यह सुनिश्चित करने पर जोर दिया कि कोई भी पात्र नागरिक सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे।

यादव शुभ विवाह वेबसाइट का किया गया भव्य उद्घाटन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। जागरूक यादव मंच के तत्वावधान में रविवार, 1 नवंबर को यादव शुभ विवाह वेबसाइट (yadavshubhvivah.in) का शुभारंभ यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय यादव के हाथों रिबन काटकर किया किया गया। बतादें कि यह कार्यक्रम राम मंदिर (रामलीला स्थल), कॉटन ग्रीन स्टेशन (ईस्ट), हार्बर लाइन, मुंबई में हर्षोल्लाश के साथ संपन्न किया गया। इस कार्यक्रम के अवसर पर भजन संध्या का भी आयोजन किया गया जिसका आनंद उपस्थित समाज के लोगों ने उठाया। आयोजकों के अनुसार, जागरूक यादव मंच के साथियों के प्रयास से समाज में विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए यह वेबसाइट तैयार की गई है, ताकि समाज के लोगों को वैवाहिक संबंधों की जानकारी डिजिटल माध्यम से आसानी से उपलब्ध हो सके। इस कार्यक्रम में यादव संघ मुंबई के अध्यक्ष अजय यादव, यदु यादव कोश के संपादक एस एन यादव, विश्व यादव संघ के अध्यक्ष मोतीलाल यादव, पूर्वांचल विकास परिवार के अध्यक्ष डा. दगेश यादव, आचार्य सूरजपाल यादव आदि के साथ यादव समाज के तमाम गणमान्य लोग उपस्थित थे। अतिथियों का सत्कार जागरुक यादव मंच के संयोजक मंडल के जसवंत यादव, पी डी यादव, लालबहादुर यादव, रमेश यादव, अभिषेश यादव आदि लोगों द्वारा सत्कार किया गया।

महाराष्ट्र के आश्रम विद्यालयों में आनंदी पालकत्व अभियान आयोजित

बच्चों के संस्कार, शिक्षा और सकारात्मक पालन-पोषण पर दिया मार्गदर्शन

मुंबई (उत्तरशक्ति)। आदिवासी विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास और बेहतर भविष्य के उद्देश्य से आदिवासी विकास विभाग एवं जीवनविद्या मिशन के संयुक्त तत्वावधान में 31 अक्टूबर को महाराष्ट्र की 305 आश्रम विद्यालयों में आनंदी पालकत्व अभियान का आयोजन किया गया। ऑनलाइन माध्यम से आयोजित इस विशेष अभियान में 45 हजार से अधिक अभिभावकों एवं विद्यालय कर्मचारियों ने सहभागिता की।



दीपावली की छुट्टियों के दौरान अभिभावकों को बच्चों के साथ बेहतर संवाद, सकारात्मक पालन-पोषण और संस्कारों के महत्व से अवगत कराने के लिए यह पहल की गई। ऑनलाइन सत्र में समुपदेशक अनिता मोरे और जीवनविद्या प्रचारक सुनीता गायकवाड ने बच्चों के व्यक्तित्व विकास, मोबाइल के उचित उपयोग, शिक्षा, आत्मविश्वास, मानसिक स्वास्थ्य, अनुशासन, नशामुक्ति और आत्महत्या रोकथाम जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर मार्गदर्शन किया। इस अभियान के आयोजन में आदिवासी विकास विभाग के अपर आयुक्त गोपीचंद कदम, प्रकल्प अधिकारी डॉ. कश्मीरा संखे, प्रकल्प अधिकारी अर्पिता ठुबे और प्राचार्य गणेश गावडे का विशेष योगदान रहा। वहीं जीवनविद्या मिशन की ओर से प्रल्हाद पै, आशिष कुलकर्णी, उषा पालकर और डॉ. किशोर संखे ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। अपर आयुक्त गोपीचंद कदम ने अभियान की सराहना करते हुए कहा कि विद्यार्थियों में अनुशासन, आत्मविश्वास और अच्छे संस्कार विकसित करने के लिए ऐसे कार्यक्रम आवश्यक हैं। उन्होंने भविष्य में भी शिक्षकों, अधीक्षकों और अभिभावकों के लिए मार्गदर्शन शिविर आयोजित करने की बात कही।

मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की ओर से किला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन - विजेताओं का सम्मान

कोलशेवाड़ी के कल्याणचा गणराया मंडल ने हासिल किया प्रथम स्थान



कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण पूर्व में मातोश्री गुंजाई फाउंडेशन की ओर से किला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। रविवार को प्रतियोगिता के विजेता मंडलों को शिवसेना नगरसेवक महेश गायकवाड एवं अन्य गणमान्य व्यक्तियों के हाथों नकद पुरस्कार और सम्मान चिह्न देकर सम्मानित किया गया। इस प्रतियोगिता में कोलशेवाड़ी स्थित कल्याणचा गणराया सार्वजनिक मंडल ने प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं सन्नी मित्र मंडल ने द्वितीय और मारुति विहार मंडल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर महेश गायकवाड ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज द्वारा स्थापित स्वराज्य, उनके संघर्ष और गौरवशाली इतिहास को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के उद्देश्य से हर वर्ष किला निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। कार्यक्रम में नगरसेवक कैलास जोशी, मधुर म्हात्रे, नगरसेविका माया कांबले और दर्शना काले,वैशाली ठाकुर सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। प्रतियोगिता के सफल आयोजन में उपशहर प्रमुख प्रशांत बोटे ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

जानवरों के चारे पर प्रतिबंध से 400 व्यापारियों का कारोबार संकट में



पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। जिले से हरा और सूखा चारा दूसरे जिलों और राज्यों में ले जाने पर प्रशासन की ओर से लगाये गये प्रतिबंध का असर अब चारा कारोबार से जुड़े व्यापारियों और आदिवासी परिवारों पर दिखाई देने लगा है। प्रतिबंध के विरोध में जिले के चारा व्यापारियों ने घास की खरीद-बिक्री के लिए संचालित तौल कांटे बंद कर दिए हैं। इससे घास बेचकर आजीविका चलाने वाले आदिवासी किसानों और ग्रामीण परिवारों के सामने आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। चारा के व्यवसायियों ने इसे लेकर वानगांव में एक बैठक भी की है। बैठक में प्रमुख रूप से मौजूद पूर्व विधान परिषद सदस्य आनंद भाई ठाकुर ने व्यापारियों की समस्या सुनी और जल्द निराकरण का आश्वासन दिया।

पालघर जिले में बड़े पैमाने पर घास और पावली का उत्पादन होता है। हर साल अक्टूबर महीने में घास की कटाई का काम होता है। आदिवासी ग्रामीण और खेतों में काम करने वाले श्रमिक घास काटकर उसे बाजार में बेचते हैं। यही उनकी कमाई का एक प्रमुख जरिया है। घास की कटाई का मौसम समाप्त होने के बाद अधिकांश श्रमिक रोजगार की तलाश में दूसरे क्षेत्रों में चले जाते हैं। ऐसे में अक्टूबर और नवंबर का समय उनके लिए कमाई के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जाता है। जिले में चारे का कारोबार करने वाले करीब 400 व्यापारी हैं। यहां से घास और पावली मुंबई सहित आसपास के क्षेत्रों के तबेलों तथा गुजरात के विभिन्न इलाकों में भेजी जाती है। प्रतिबंध के कारण बाहरी बाजारों में आपूर्ति प्रभावित होने से कारोबारियों की चिंता बढ़ गई है। व्यापारियों का कहना है कि खरीद-बिक्री बंद रहने से घास बेचने आने वाले आदिवासी परिवारों को भी नुकसान उठाना पड़ रहा है। चारा व्यवसाई ब्रिजेश ठाकुर का कहना है कि पशुधन के लिए जिले में चारे की उपलब्धता बनाए रखना जरूरी है, लेकिन इसके साथ घास बेचकर परिवार चलाने वाले आदिवासी किसानों और श्रमिकों के हितों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए।

बोरीवली में श्रीराम राज्याभिषेक का भव्य मंचन, राममय हुआ रामलीला मैदान

◆केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने की श्री आदर्श रामलीला उपसमिति के आयोजन की सराहना, बोले— ऐसे आयोजन धर्म, संस्कार और उत्तम चरित्र का संदेश देते हैं

बोरीवली (उत्तरशक्ति)। श्री आदर्श रामलीला उपसमिति, बोरीवली के तत्वावधान में पं. रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली (पश्चिम) में 31 अक्टूबर 2026 को भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक का भव्य मंचन किया गया। इस अवसर पर पूरा रामलीला मैदान भक्तिमय वातावरण से सराबोर हो गया। कार्यक्रम में केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल, बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, दहिसर की विधायक मनीषा ताई चौधरी, भाजपा नेता जयप्रकाश ठाकुर सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय ने सभी अतिथियों का स्वागत किया।



कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने भगवान श्रीराम को तिलक लगाकर एवं माल्यार्पण कर श्रद्धा व्यक्त की। उन्होंने श्रीराम राज्याभिषेक के भव्य आयोजन की सराहना करते हुए संस्था के अध्यक्ष रामकृपाल उपाध्याय के प्रयासों की प्रशंसा की। धर्म, संस्कार और आदर्श जीवन का संदेश पीयूष गोयल ने कहा कि इस प्रकार के धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन समाज को धर्म, संस्कार, उत्तम चरित्र, प्रेम और समर्पण का संदेश देते हैं। भगवान श्रीराम का जीवन मयार्दा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और आदर्श शासन का प्रतीक है। उनके आदर्श आज भी समाज को सही दिशा दिखाने का कार्य करते हैं। इस अवसर पर उन्होंने संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय एवं हिंदी भाषी संघ की महिला शाखा की अध्यक्षा श्रीमती रुचि रामकृपाल उपाध्याय का भी स्वागत किया। रामलीला के माध्यम से भारतीय संस्कृति का संरक्षण श्री आदर्श रामलीला उपसमिति द्वारा आयोजित रामलीला महोत्सव के माध्यम से भगवान श्रीराम के जीवन से जुड़े प्रसंगों का मंचन कर भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और नैतिक मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। श्रीराम राज्याभिषेक के मंचन ने श्रद्धालुओं को रामराज्य की अवधारणा, न्याय, मयार्दा और जनकल्याण के आदर्शों की याद दिलाई। कार्यक्रम में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों और दर्शकों ने आयोजन की सराहना की। संस्था के अध्यक्ष एडवोकेट रामकृपाल उपाध्याय के नेतृत्व में आयोजित इस रामलीला महोत्सव ने धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक एवं सांस्कृतिक एकता का संदेश भी दिया।

बोरीवली में विराट कवि सम्मेलन का भव्य आयोजन, हास्य-व्यंग्य और ओजपूर्ण कविताओं ने बांधा समां

◆हिंदी भाषी संघ की साहित्यिक पहल को मिला शानदार प्रतिसाद; डॉ. राधेश्याम तिवारी को पं. रामजस उपाध्याय विशिष्ट समाजसेवी सम्मान 2026 से किया गया सम्मानित

बोरीवली (उत्तरशक्ति)। हिंदी भाषा, साहित्य और काव्य की समृद्ध परंपरा को बढ़ावा देने के उद्देश्य से हिंदी भाषी संघ के तत्वावधान में 1 नवंबर 2026 को पं. रामजस उपाध्याय रामलीला मैदान, बोरीवली (पश्चिम) में भव्य विराट कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इस साहित्यिक संध्या में देश के विभिन्न शहरों से आए कवियों ने अपनी हास्य, व्यंग्य, ओजपूर्ण और भावनात्मक रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम में साहित्य प्रेमियों के साथ अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। देश के विभिन्न शहरों से आए कवियों ने बिखेरा काव्य का रंग विराट कवि सम्मेलन में देवास, मध्य प्रदेश से शशिकांत यादव, जयपुर से मनोज गुर्जर, जौनपुर से महेश दूबे, प्रतापगढ़, उत्तर प्रदेश से सुश्री प्रीति पांडेय, प्रतापगढ़, राजस्थान से पार्थ नवीन तथा नागपुर से सुश्री श्रद्धा शौर्य ने अपनी रचनाएं प्रस्तुत कीं।



कवियों ने हास्य-व्यंग्य, सामाजिक सरोकारों और जीवन की संवेदनाओं से जुड़ी रचनाओं के माध्यम से श्रोताओं को कभी गुदगुदाया, तो कभी गंभीर विषयों पर चिंतन करने के लिए प्रेरित किया। उनकी प्रस्तुतियों ने हिंदी काव्य की विविधता और साहित्य की जीवंत परंपरा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया। डॉ. राधेश्याम तिवारी को विशिष्ट समाजसेवी सम्मान कार्यक्रम का एक प्रमुख आकर्षण वरिष्ठ समाजसेवी डॉ. राधेश्याम तिवारी का सम्मान रहा। समाजसेवा के क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें ह्यपं. रामजस उपाध्याय विशिष्ट समाजसेवी सम्मान 2026ह्ल प्रदान किया गया। इस सम्मान के माध्यम से समाज के प्रति उनके योगदान को सराहा गया। अनेक गणमान्य अतिथियों की रही गरिमामयी उपस्थिति इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर मुंबई के पूर्व सांसद एवं जनसेवक गोपाल शेट्टी, बोरीवली के विधायक संजय उपाध्याय, महाराष्ट्र शासन के गृह मंत्री कृपाशंकर सिंह, उत्तर भारतीय संघ के अध्यक्ष संतोष सिंह, नालासोपारा स्थित दुबे मेडिकल कॉलेज के संचालक ओमप्रकाश दुबे, डॉ. राधेश्याम तिवारी, डॉ. शिवश्याम तिवारी, दैनिक भास्कर के संवाददाता विनोद यादव, पूर्व नगरसेविका श्रीमती मीना दोषी, समरस फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. किशोर सिंह, शिवसेना (शिंदे गुट) के प्रवक्ता आनंद दुबे, राघवेंद्र सेवा मंच के अध्यक्ष सुरेंद्र मिश्रा, अभय चौबे और प्रवीण शाह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

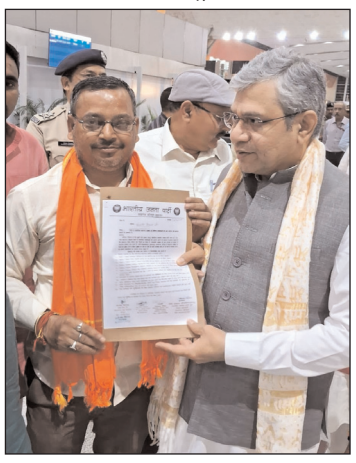


स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

शाहगंज स्टेशन की मांगों पर रेल मंत्री को ज्ञापन

देवी प्रसाद चौरसिया मंटू ने ट्रेनों के ठहराव और यात्री सुविधाओं समेत 13 मांगें रखीं

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय स्टेशन पर ट्रेनों के ठहराव और यात्री सुविधाएं बढ़ाने की मांग को लेकर भाजपा नेता और पूर्व नगर महामंत्री देवी प्रसाद चौरसिया मंटू ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मांगों पर कार्रवाई का आग्रह किया।



ज्ञापन में कहा गया कि शाहगंज स्टेशन जौनपुर समेत आसपास के चार जिलों के यात्रियों के लिए रेल केंद्र है। यहां से रोज बड़ी संख्या में यात्री सफर करते हैं। ज्ञापन के मुताबिक, कई ट्रेनों का ठहराव नहीं होने और सुविधाओं की कमी से यात्रियों को परेशानी होती है।

ज्ञापन में 54375/54376 प्रयागराज पैसेंजर, 15667/15668 कामाख्या-गांधीधाम एक्सप्रेस, 15635/15636 ओखा-गुवाहाटी द्वारका एक्सप्रेस, 19321/19322 और 19313/19314 पटना-इंदौर ट्रेनों के शाहगंज में ठहराव की मांग की गई है। इसके अलावा 22345/22346 और 22490/22436 वंदे भारत एक्सप्रेस तथा 15933/15934 तिनसुकिया-अमृतसर एक्सप्रेस के ठहराव की मांग भी रखी गई। 14201/14202 नौगढ़ राज्यरानी एक्सप्रेस को शाहगंज तक चलाने की मांग की गई है।

यात्री सुविधाओं के तहत सभी प्लेटफॉर्म पर ट्रेनों के ठहराव की व्यवस्था और प्लेटफॉर्म के दोनों सिरों पर पैदल पुल बनाने की मांग की गई। स्टेशन का नाम बदलकर मां जानकीपुरम जंक्शन करने का प्रस्ताव भी ज्ञापन में शामिल है।

ज्ञापन में कहा गया कि मांगें पूरी होने पर शाहगंज और आसपास के चार जिलों के यात्रियों को बेहतर रेल सुविधाएं मिलेंगी। इससे यात्रियों को सफर में सहूलियत होगी और रेलवे की कमाई बढ़ने की संभावना है।

पुलिस की गाड़ी देख कार सवार ने खेत में फेंकी शराब! हादसे के बाद नशे में ड्राइविंग का आरोप

शुभम कुमार यादव

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के कबीरुद्दीनपुर गांव के समीप विथार हाईवे पर शनिवार की रात करीब आठ बजे तेज रफ्तार कार और पल्सर बाइक के बीच जोरदार टक्कर हो गई। हादसे में बाइक सवार दो लोग घायल हो गए। दुर्घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आजमगढ़ की तरफ से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने जौनपुर की ओर जा रही लाल रंग की पल्सर बाइक को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक सवार दोनों लोग सड़क पर गिरकर घायल हो गए। हादसे में बाइक भी क्षतिग्रस्त हो गई।

हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने कार सवारों को लेकर गंभीर आरोप लगाए। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि जैसे ही पुलिस की गाड़ी मौके की ओर आती दिखाई दी, कार सवार ने कथित तौर पर कार से शराब निकालकर पास के धान के खेत में फेंक दी। इस घटना के बाद मौके पर मौजूद लोगों के बीच तरह-तरह की चर्चाएं होने लगीं।

कुछ लोगों ने कार सवारों पर शराब के नशे में होने का भी आरोप लगाया है। हालांकि, कार चालक के



नशे में होने अथवा खेत में शराब फेंके जाने की अभी तक कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। इन आरोपों की वास्तविकता पुलिस जांच और मेडिकल परीक्षण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

घायलों को जिला अस्पताल भेजा गया: दुर्घटना की सूचना मिलते ही डायल 112 पुलिस और एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई। स्थानीय लोगों की मदद से दोनों घायल बाइक सवारों को एंबुलेंस के माध्यम से उपचार के लिए जिला अस्पताल जौनपुर भेजा गया।

वहीं, गौराबादशाहपुर थाना पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच-पड़ताल शुरू कर दी। पुलिस दुर्घटना के कारणों के साथ ही कार सवारों की भूमिका और शराब से जुड़े आरोपों की भी जांच कर रही है।

जांच के बाद खुलेगा पूरा मामला: इस घटना के बाद कई सवाल खड़े हो रहे हैं। क्या कार चालक वास्तव में शराब के नशे में था? क्या पुलिस की गाड़ी देखकर शराब खेत में फेंकी गई? क्या मेडिकल परीक्षण में नशे की पुष्टि हो पाएगी? फिलहाल इन सभी सवालों के जवाब पुलिस जांच के बाद ही सामने आएंगे।

पूर्वांचल विश्वविद्यालय ने जीती पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता

◆ कुलपति को खिलाड़ियों ने भेंट की ट्रॉफी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, वाराणसी द्वारा 27 से 31 अक्टूबर 2026 तक आयोजित इस प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन कर



विश्वविद्यालय, जौनपुर की पुरुष हॉकी टीम ने पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालय हॉकी प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया। काशी हिंदू विश्वविद्यालय, वाराणसी को 3-0 तथा बीएचयू, वाराणसी को 6-2 से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर सचिव, खेलकूद परिषद प्रो. शेखर सिंह, छात्र अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. गिरधर मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

विजेता ट्रॉफी अपने नाम की।

प्रतियोगिता में शानदार सफलता के बाद: कुलपति प्रो. आर. के. सिंह को टीम के कप्तान बृजेश यादव ने विजेता ट्रॉफी विश्वविद्यालय के भेंट की। इस अवसर पर कुलपति ने टीम के खिलाड़ियों एवं प्रशिक्षकों को बधाई देते हुए उनके प्रदर्शन की सराहना की। इस टीम के कोच इंद्रदेव, मैनेजर रजनीश सिंह एवं टीम के अन्य सदस्यों का कुलपति ने उत्साहवर्धन किया।

प्रतियोगिता में पूर्वांचल विश्वविद्यालय की टीम ने रांची विश्वविद्यालय को 8-3 से पराजित किया। संबलपुर विश्वविद्यालय, भुवनेश्वर के साथ मुकाबला 4-4 से बराबरी पर रहा। इसके बाद टीम ने महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ , वाराणसी को 3-0 तथा बीएचयू, वाराणसी को 6-2 से हराकर प्रतियोगिता का खिताब अपने नाम किया। इस अवसर पर सचिव, खेलकूद परिषद प्रो. शेखर सिंह, छात्र अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद कुमार यादव, डॉ. गिरधर मिश्रा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

न्याय समागम 2.0 में एक ही छत के नीचे मिलीं सरकारी योजनाओं की सुविधाएं

◆ लाभार्थियों को बांटे चेक और उपकरण

जनपद न्यायाधीश ने किया शिविर का शुभारंभ, दिव्यांगों को ट्राई साइकिल और किसान को सौंपी ट्रैक्टर की चाबी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देश पर मेगा विधिक सहायता एवं सेवा



शिविर 'न्याय समागम 2.0' का भव्य आयोजन किया गया।

जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष सुशील कुमार शशि के निर्देशन तथा सचिव सुशील कुमार सिंह की देखरेख में आयोजित शिविर का शुभारंभ जनपद न्यायाधीश ने मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्ज्वलित कर किया।

इस अवसर पर जनपद न्यायाधीश ने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टालों का निरीक्षण कर जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी ली। शिविर में पात्र लाभार्थियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। दिव्यांगजनों को ट्राई साइकिल, श्रमिकों एवं अन्य लाभार्थियों को चेक तथा किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि का लाभ दिया गया। उद्यान विभाग की ओर से बीज और फलदार पौधों का वितरण भी किया गया।

विशेष आकर्षण के रूप में कृषि विभाग की सबमिशन ऑन एग्रीकल्चर मैकेनाइजेशन योजना के तहत लाभार्थी अजय कुमार को जनपद न्यायाधीश ने ट्रैक्टर की चाबी सौंपी। वहीं आईसीडीएस विभाग के स्टाल पर बच्चों का अन्नप्राशन कराया गया।

कार्यक्रम में मुख्य विकास अधिकारी नरेंद्र बहादुर सिंह, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश अनिल कुमार यादव, सीजेएम अजय अम्बष्ट, दीवानी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष अवधेश सिंह सहित न्यायिक एवं प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। टीडीबीएस इंटर कॉलेज कादीपुर की छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर लोगों का मन मोह लिया। शिविर में विभिन्न विभागों के अधिकारी, कर्मचारी और बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

नौ दिवसीय श्रीराम कथा के सफल आयोजन पर ज्ञान प्रकाश सिंह ने जताया जनपदवासियों का आभार

बोले- जौनपुरवासियों के प्रेम, सहयोग और श्रद्धा ने धार्मिक आयोजन को बनाया यादगार, सेवा भारती सहित सभी सहयोगियों का किया विशेष अभिनंदन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की पावन धरती पर आयोजित नौ दिवसीय भव्य श्रीराम कथा के सफलतापूर्वक संपन्न होने पर भारतीय जनता पार्टी के नेता ज्ञान प्रकाश सिंह ने समस्त जनपदवासियों के प्रति हृदय से आभार एवं कृतज्ञता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम की असीम कृपा, जनपदवासियों के अपार स्नेह, श्रद्धा, सहयोग और सहभागिता के कारण यह धार्मिक आयोजन भव्यता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो सका।



ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि नौ दिनों तक चले इस आध्यात्मिक आयोजन में जिस तरह से जौनपुर के श्रद्धालुओं, माताओं-बहनों, युवाओं, बुजुर्गों और धर्मप्रेमी नागरिकों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की, वह उनके लिए सदैव अविस्मरणीय रहेगा। कथा के दौरान उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़ और लोगों की आस्था ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। जनपदवासियों के इसी प्रेम और अपनत्व ने आयोजन को केवल धार्मिक कार्यक्रम तक सीमित न रखकर सामाजिक एकता, आपसी सद्भाव और सांस्कृतिक चेतना का एक यादगार अवसर बना दिया।

उन्होंने विशेष रूप से सेवा भारती, जौनपुर के पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और स्वयंसेवकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आयोजन को व्यवस्थित और सफल बनाने में उनका योगदान अत्यंत सराहनीय रहा। इसके साथ ही उन्होंने जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन, जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, विभिन्न संस्थाओं, सहयोगियों और आयोजन से प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जुड़े सभी लोगों का धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम की व्यवस्थाओं से लेकर श्रद्धालुओं की सुविधा तक, प्रत्येक स्तर पर लोगों ने जिस निष्ठा और समर्पण के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई, वह प्रशंसनीय है।

ज्ञान प्रकाश सिंह ने कहा कि इस आयोजन के माध्यम से समाज में धार्मिक आस्था, संस्कार, सेवा, समरसता और भाईचारे की भावना को और मजबूत करने का अवसर मिला। श्रीराम कथा से प्राप्त आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करना ही इस आयोजन की वास्तविक सार्थकता है। अंत में उन्होंने प्रभु श्रीराम से समस्त जनपदवासियों के सुख, समृद्धि और खुशहाली की कामना करते हुए कहा कि आप सभी का स्नेह, विश्वास और आशीर्वाद ही उनकी सबसे बड़ी पूंजी है। नौ दिवसीय श्रीराम कथा को ऐतिहासिक और यादगार बनाने में योगदान देने वाले प्रत्येक व्यक्ति के प्रति वे हृदय से आभारी हैं। उन्होंने सभी को कोटि-कोटि धन्यवाद एवं साधुवाद ज्ञापित किया।

शाहगंज में 150 ग्राम गांजे के साथ एक व्यक्ति गिरफ्तार

चिरैयामोड़ के पास पुलिस ने पकड़ा; एनडीपीएस एक्ट में केस दर्ज

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय पुलिस ने चिरैयामोड़ के पास बहादुर को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, उसके पास से 150 ग्राम गांजा मिला। पुलिस अधीक्षक नगर अनंत चंद्रशेखर के निर्देशन और क्षेत्राधिकारी शाहगंज प्रतिमा वर्मा की निगरानी में पुलिस टीम संदिग्ध लोगों और वाहनों की जांच कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से मिली सूचना पर कार्रवाई की गई। बहादुर, धर्मराज उर्फ धर्मु का बेटा है और ताखा पश्चिम, थाना शाहगंज, जौनपुर का रहने वाला है। गिरफ्तारी और गांजा मिलने के बाद थाना शाहगंज में केस नंबर 382/2026, एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत केस दर्ज किया गया। पुलिस ने बताया कि आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है। पुलिस के मुताबिक, बहादुर के खिलाफ थाना शाहगंज में 2024 का केस नंबर 202/2024 भी दर्ज है। यह केस एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/20 के तहत दर्ज किया गया था। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थाना प्रभारी दिनेश कुमार सिंह, उपनिरीक्षक अजय कुमार सिंह, हेड कांस्टेबल आनंद कुमार और कांस्टेबल सूर्य कुमार यादव शामिल थे।

अंतरराष्ट्रीय मंच पर चमके पूर्वांचल विश्वविद्यालय के शोधार्थी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग के एमएससी विद्यार्थियों मनीष कुमार एवं वैष्णवी आर्या ने इन्वर्टिस यूनिवर्सिटी, बरेली में 30-31 अक्टूबर 2026 को आयोजित 13वें



अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में अपने शोध पत्र प्रस्तुत कर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाया। 'एआई-इनेबल्ड बायोटेक्नोलॉजी' विषय पर आयोजित सम्मेलन में मनीष कुमार ने भारत में नॉन-अल्कोहॉलिक फैटी लिवर डिजीज के प्रति जन-जागरूकता के आकलन तथा वैष्णवी आर्या ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में अल्जाइमर रोग के प्रति जागरूकता एवं ज्ञान के स्तर पर अपना शोध प्रस्तुत किया। दोनों विद्यार्थी प्रो. प्रदीप कुमार एवं प्रो. वंदना राय के निर्देशन में शोध कार्य कर रहे हैं। प्रो. प्रदीप कुमार ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोध पत्र प्रस्तुत करना विद्यार्थियों की वैज्ञानिक प्रतिभा और विभाग की सक्रिय शोध संस्कृति का परिचायक है। विश्वविद्यालय परिवार ने दोनों विद्यार्थियों एवं उनके शोध मार्गदर्शकों को बधाई दी।

अपराध नियंत्रण और सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सीओ सिटी ने किया पैदल गश्त

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अपराध नियंत्रण, शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने तथा आमजन में सुरक्षा का भाव मजबूत करने के उद्देश्य से



शनिवार को पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देशन में सहायक पुलिस अधीक्षक/ क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी ने प्रभारी निरीक्षक कोतवाली के साथ थाना कोतवाली क्षेत्र में पैदल गश्त की। इस दौरान पुलिस अधिकारियों ने क्षेत्र में भ्रमण कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा आमजन को सुरक्षा का भरोसा दिलाया। पुलिस की इस सक्रियता का उद्देश्य अपराधों पर अंकुश लगाने के साथ क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखना है।

सम्राट अशोक महान सभी भारतवासियों के पूर्वज: मोहम्मद अरशद खान

2027 में पीडीए सरकार बनाने का किया आह्वान, सामाजिक न्याय और भाईचारे पर दिया जोर

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कटघरा में रविवार को सम्राट अशोक महान विचार मंच की ओर से संगठन सृजन एवं परिचय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष, समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव एवं जौनपुर सदर के पूर्व विधायक मोहम्मद अरशद खान मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मोहम्मद अरशद खान ने कहा कि सम्राट अशोक महान सभी भारतवासियों के पूर्वज हैं। उनकी विरासत किसी एक जाति, धर्म या समुदाय तक सीमित नहीं है। उन्होंने युद्ध और हिंसा के स्थान पर शांति, अहिंसा, करुणा, सहिष्णुता और जनकल्याण को शासन का आधार बनाया था। उनके आदर्श आज भी सामाजिक सद्भाव और राष्ट्रीय एकता की प्रेरणा देते हैं।

उन्होंने कहा कि सम्राट अशोक



महान के सिद्धांतों पर चलकर ही समानता, सामाजिक न्याय और भाईचारे वाला समाज बनाया जा सकता है। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव की विचारधारा का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि पीडीए के माध्यम से पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक सहित सभी वंचित वर्गों को सम्मान और भागीदारी दिलाने का प्रयास किया जा रहा है।

उन्होंने उत्तर प्रदेश की जनता से 2027 के विधानसभा चुनाव में संविधान की रक्षा, सामाजिक न्याय, रोजगार, किसान कल्याण और बुनकरों के हितों को ध्यान में रखते हुए अखिलेश यादव के नेतृत्व में ढऊअ सरकार बनाने के लिए लोकतांत्रिक तरीके से एकजुट होने का आह्वान किया।

अंत में उन्होंने कार्यकर्ताओं से सम्राट अशोक महान के विचारों और उनके ऐतिहासिक योगदान को गांव-गांव तक पहुंचाने की अपील की।

कांग्रेसियों ने इंदिरा गांधी को दी श्रद्धांजलि, सरदार पटेल को किया नमन

इंदिरा गांधी विश्व की सबसे ताकतवर नेताओं में थीं: राकेश मिश्रा

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय इंदिरा गांधी के बलिदान दिवस पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने इंदिरा चौक बदलापुर स्थित उनकी प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम की अध्यक्षता वरिष्ठ कांग्रेस नेता कमला प्रसाद तिवारी ने की। इस दौरान लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती पर उनके योगदान को याद करते हुए नमन किया गया।



कांग्रेस के जिला उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राकेश मिश्रा ने कहा कि इंदिरा गांधी अदम्य साहस और दृढ़ इच्छाशक्ति वाली नेता थीं। उनके त्वरित निर्णयों और नेतृत्व क्षमता का पूरी दुनिया लोहा मानती थी। वहीं कमला प्रसाद तिवारी ने इंदिरा गांधी और सरदार पटेल को देश की एकता एवं अखंडता का प्रतीक बताते हुए कहा कि देश की उन्नति और विकास के लिए कार्य करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि और नागरिक का कर्तव्य है।

इस अवसर पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी बदलापुर के अध्यक्ष महात्मा प्रसाद शुक्ला, बृजेश दुबे, सुंदरम पांडेय, किशन मिश्रा सहित अन्य कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस पर सल्तनत बहादुर महाविद्यालय में संगोष्ठी संपन्न

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय क्षेत्र स्थित सल्तनत बहादुर पीजी कॉलेज बदलापुर के प्रांगण में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस दौरान महाविद्यालय की एनसीसी इकाई एवं राजनीति विज्ञान विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित एकदिवसीय संगोष्ठी के मुख्य अतिथि वक्ता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो.अखंड प्रताप सिंह ने राष्ट्रीय आंदोलन के इतिहास और सरदार वल्लभभाई पटेल के विराट व्यक्तित्व के बारे में अपने विचार व्यक्त किये एवं कैडेट्स को शिक्षा व जागरूकता के लिए प्रेरित किये। कार्यक्रम संयोजक एवं एनसीसी अधिकारी डॉ.कर्मचन्द यादव ने संचालन करते हुए भारत विभाजन की परिस्थितियों और देसी रियासतों व रजवाड़ों के भारत में विलय संबंधित समस्याओं को सुलझा कर अखंड भारत के निर्माण में सरदार पटेल के योगदान को बताया। इस अवसर पर



महाविद्यालय परिसर में एनसीसी कैडेट्स द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ और 'रन फॉर यूनिटी' का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रम में चीफ प्रॉक्टर डॉ.ओ.पी.दुबे, डॉ.ब्रजेश मिश्रा,रामजीत यादव,रमेश शर्मा सहित अमित कुमार,डेविड कुमार,आकाश चौरसिया,नितिन श्रीवास्तव,सृष्टि सिंह,पूर्वी सिंह,रिया यादव एवं समस्त एनसीसी कैडेट्स की उपस्थिति रही। अंत में डॉ.के.सी.यादव ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों एवं छात्र-छात्राओं के प्रति आभार व्यक्त किया। इस दौरान एनसीसी कैडेट्स को रिफ्रेशमेंट का आबंटन भी किया गया।

देश के विकास में सरदार पटेल का रहा अहम योगदान: राय साहब पटेल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद के मुंगराबादशाहपुर विधान सभा क्षेत्र के थलोई गांव में पथिक सेवा समिति के द्वारा लौह पुरुष भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल जी के जयन्ती एवं सम्मान समारोह के कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम के दौरान सर्व प्रथम कार्यक्रम प्रारम्भ करने से पहले सैकड़ो लोगों द्वारा डी.जे.सहित तमाम चार पहिया वाहन व मोटर साइकिल के साथ लोगों द्वारा यात्रा निकाली गयी। यात्रा के दौरान कार्यक्रम आयोजक राय साहब पटेल द्वारा इस कार्यक्रम के बारे में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि यह यात्रा इस लिए निकला गया कि ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को अपने महापुरुषों के बारे में जानकारी हो सके और आने वाले समय में लोग अपने महापुरुषों को जाने तथा उनकी जयन्ती भी ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों द्वारा भी मनाया जाय। और लोग महापुरुषों के बताये हुए पद चिन्हों पर चलकर अपने देश को आगे बढ़ने का भी काम करें। यात्रा कार्यक्रम स्थल पर पहुंचने से पहले

कार्यक्रम के दौरान सैकड़ो लोगों को किया गया सम्मानित

गांव में स्थापित लौह पुरुष भारत रत्न सरदार पटेल जी के प्रतिमा पर माल्यार्पण करते हुए। हजारों की संख्या में लोगों ने कार्यक्रम में भाग लिया।कार्यक्रम के दौरान आये हुए तमाम अतिथियों के द्वारा सरदार पटेल जी के जीवन परिचय के साथ-साथ उनके द्वारा देश के विकास के लिए दिया गया योगदान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि हम सभी लोगों को भी सरदार पटेल के पद चिन्हों पर चलना चाहिए ताकि आने वाले समय में हमारा देश फिर एक



बार सोने की चिड़िया बन सके। कार्यक्रम में शामिल हुए अतिथियों ने देश के राजनेताओं से भी अपील करते हुए कहा कि देश को आगे बढ़ाने के लिए हम सभी लोगों को सरदार पटेल के विचार धारा पर काम करना चाहिए। कार्यक्रम में शामिल तमाम अतिथियों का संगठन के लोगों द्वारा सरदार पटेल का चित्र व अंग वस्त्र देते हुए तथा माला पहनकर लोगों को सम्मानित भी किया गया। साथ ही क्षेत्र ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक, राजनौतिक, डांक्टर, अध्यापक, अधिवक्ता, इंजीनियर, मिडिया कर्मियों सहित तमाम छोटे-बड़े कलाकारों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में तरह-तरह के योगदान देने वाले लोगों को भी संगठन के पदाधिकारीयों व कार्यकताओं के द्वारा लोगों को सम्मानित भी किया गया। इस जयन्ती समारोह के दौरान विश्व प्रसिद्ध जादूगर राम राठी सिंह के द्वारा तरह-तरह का जादू भी दिखाया गया। जादुगर द्वारा जादू दिखाकर लोगों का मन मोह लिया। साथ ही अतिथियों के स्वागत के लिए भदोही जनपद से आये गायक कलाकार रमेश भवरा ने सरदार पटेल के द्वारा देश के प्रति किये गये विषेश योगदान के बारे में लोगों को अपने गीतों के माध्यम से बताने का काम किया। इस दौरान आर.सी.पटेल, सुनील पटेल, मुकेश पटेल, भानु पटेल, छोटे लाल पटेल,राकेश पटेल, सुबास प्रजापति, आशीष विश्वकर्मा, राजीव पटेल, नागेन्द्र सरोज, दिनेश पटेल, मनोज पाल सहित हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन आनन्द पटेल व अध्यक्षता राय साहब पटेल ने किया।

सरिता मातृत्व क्लीनिक में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर संपन्न



आनंद मिश्रा

नालासोपारा (उत्तरशक्ति)। नालासोपारा पूर्व सेंट्रल पार्क स्थित सरिता मातृत्व क्लीनिक में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। डॉ. अविनाश पांडेय एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. पुष्पा अविनाश पांडेय के मार्गदर्शन मे माँ सरस्वती हास्पिटल एंड डायलिसिस सेंटर के सहयोग से आयोजित इस शिविर में बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों ने हिस्सा लेकर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ उठाया। शिविर में ब्लड शुगर, ब्लड प्रेशर और ईसीजी सहित विभिन्न स्वास्थ्य जांच की गई। इसके अलावा महिलाओं की स्त्री रोग संबंधी समस्याओं का परीक्षण कर उन्हें आवश्यक चिकित्सकीय परामर्श दिया गया। जरूरतमंद मरीजों को उपचार संबंधी सलाह के साथ दवाइयां भी उपलब्ध कराई गईं।

इस पहल का मुख्य उद्देश्य आम नागरिकों को निःशुल्क स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना और समय रहते बीमारियों की पहचान के प्रति जागरूक करना था। स्थानीय नागरिकों व वरिष्ठ पत्रकार प्रेम चौबे ने सरिता मातृत्व क्लीनिक की इस जनहितकारी पहल की सराहना की।

दुष्कर्म और पॉक्सो केस में वांछित आरोपी गिरफ्तार

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बपुलिस ने दुष्कर्म और पॉक्सो एक्ट के केस में वांछित रितिक रोशन बिंद को गिरफ्तार किया। पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तारी 1 नवंबर 2026 को हुई। रितिक रोशन बिंद, रामधारी बिंद का बेटा है और दीपाईपुर, थाना शाहगंज, जौनपुर का रहने वाला है। उसके खिलाफ शाहगंज थाने में केस नंबर 381/2026 दर्ज है। इस केस में भारतीय न्याय संहिता 2023 की धारा 65(1), 333 और 351(3), साथ ही पॉक्सो एक्ट की धारा 4(2) लगाई गई है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने कानूनी कार्रवाई की और आरोपी को संबंधित अदालत में पेश करने के लिए भेजा। पुलिस टीम का नेतृत्व शाहगंज थाना प्रभारी दिनेश कुमार सिंह ने किया। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, जौनपुर के अभियान के तहत हुई। पुलिस अधीक्षक नगर के निर्देश और क्षेत्राधिकारी शाहगंज की निगरानी में टीम ने आरोपी को गिरफ्तार किया।

युवक का शव आते ही परिवार में मचा कोहराम

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जफराबाद नगर पंचायत काजी अहमदनगर नूर वार्ड (नाव घाट) के निवासी 24 वर्षीय मुकेश कुमार निषाद पुत्र विजय निषाद की महाराष्ट्र के नागपुर शहर में एक प्राइवेट कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्य करते समय मौत हो गई। मुकेश नागपुर शहर के थाना गणेशपेठ के कॉटन मार्केट में एक प्राइवेट कंस्ट्रक्शन कंपनी में कार्य करता था। मृतक मुकेश निषाद के बड़े पिता दिनेश निषाद ने बताया कि कॉटन मार्केट चौक के पास में प्राइवेट कंस्ट्रक्शन कंपनी का टेक्सटाइल पार्क और कमर्शियल कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य चल रहा था। इसी निर्माण कार्य मे सुबह लगभग 11 बजे टावर क्रेन की ऊंचाई बढ़ाने का कार्य किया जा रहा था कि उसी समय दूसरी क्रेन का ऊपरी हिस्सा टूटकर मजदूरों वाले क्रेन से टकरा कर नीचे गिर गया। इस हादसे में क्रेन पर काम कर रहे दो मजदूरों की मौत हो गई थी। घटना की सूचना मुकेश के परिजनों को मिली। सूचना पर परिजन नागपुर पहुंचे और 31अक्टूबर को पोस्टमार्टम के बाद शव रविवार को एम्बुलेंस से जफराबाद लाया। मुकेश का शव देखकर परिजनों में कोहराम मच गया।

फर्जी 376 लगवाने वाले यूपी पुलिस के सिपाही विशाल भारती और उसकी पूरी गैंग अरेस्ट



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश के मऊ जिले में तैनात सिपाही विशाल भारती पर अभी कुछ महीने पहले ही एक नाबालिक लड़की ने 376 का मुकदमा दर्ज करवाया था, जिसमें सिपाही तभी से ही जेल में बंद था. अभी जब सिपाही जेल से निकलकर आया तो उसने 2 लड़कियों की मदद लेकर पीड़ित नाबालिक लड़की के पिता पर ही फर्जी 376 का मुकदमा दर्ज करवा दिया. इसकी भनक जैसे ही लड़की के पिता को लगी वह सीधा मऊ पुलिस कप्तान के पास गया और अपनी बेगुनाही के सबूत दिए.

कप्तान ने आरोप लगाने वाली लड़की की कॉल डिटेल निकलवाई तो उसमें यूपी पुलिस के सिपाही विशाल भारती और उनके एक दोस्त का नंबर निकल आया. मामले की गंभीरता को देख वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में सिपाही और उसके दोस्तों पर सख्ती की गई. सिपाही ने अपना जुर्म कबूल कर लिया और उसने साफ-साफ बताया कि अपनी FIR में FR लगवाने के लिए उसने यह षड्यंत्र रचा था. इस कार्यक्रम में उनका सहयोग उनके जिगरी दोस्त निसार और उसकी पत्नी जोया ने किया। दूसरी महिला सकीना ने लड़की के पिता से निजी मुलाकात कर उन पर फर्जी 376 लगाई थी। अब सिपाही और उसके सहयोगियों को अरेस्ट किया गया ह। बुजुर्ग पर लगी फर्जी 376 को रद्द करने के लिए न्यायालय में सबूत सहित प्रार्थना पत्र दे दिया गया है।

सराय बीका में सरदार पटेल की जयंती पर निकली भव्य ट्रैक्टर व बाइक रैली, मतरी के मैदान में माल्यार्पण के साथ संपन्न!



अरशद अली

मुंगराबादशाहपुर (जौनपुर)। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के पावन अवसर पर 1 नवंबर रविवार को क्षेत्र में एक भव्य ट्रैक्टर एवं बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस यात्रा में क्षेत्र के हजारों युवाओं और किसानों ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। रैली का नेतृत्व अपना दल (एस) के युवा नेता और 368 विधानसभा मुंगराबादशाहपुर के प्रत्याशी इंजीनियर बृजमणि पटेल ने किया। रैली का शुभारंभ सराय बीका, मुंगराबादशाहपुर से प्रारम्भ हुआ, जहाँ पर मुख्य आयोजक इंजी. बृजमणि पटेल ने हरी झंडी दिखाकर वाहनों की रैली को रवाना किया। इस दौरान उन्होंने उपस्थित जनसमूह का हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया। देशभक्ति के नारों और सरदार वल्लभभाई पटेल जयघोष के साथ निकली यह रैली क्षेत्र के विभिन्न मार्गों से होते हुए मतरी के मैदान में पहुँची। समारोह के समापन पर मतरी के मैदान में स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल की प्रतिमा पर इंजी. बृजमणि पटेल सहित उपस्थित अन्य गणमान्य नागरिकों ने माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर जनता को संबोधित करते हुए इंजी. बृजमणि पटेल ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एकता के सूत्र में पिरोने का जो ऐतिहासिक कार्य किया, वह युगों-युगों तक राष्ट्र का मार्गदर्शन करता रहेगा। आज के युवाओं को उनके सिद्धांतों और अखंड भारत के संकल्प को अपने जीवन में उतारने की आवश्यकता है। माल्यार्पण और सरदार वल्लभभाई पटेल के नारों के साथ कार्यक्रम का शांतिपूर्ण समापन हुआ।

काटन ग्रीन रामलीला में कई गणमान्य हस्तियां रहीं मौजूद



मुंबई। कॉटन ग्रीन स्थित श्री आदर्श रामलीला उप समिति की ओर से आयोजित रामलीला में शनिवार, 31 अक्टूबर को कुंभकर्ण वध, मेघनाद वध और रावण वध के प्रसंगों का मंचन किया गया। इसके बाद भगवान श्रीराम के रामराज्याभिषेक का आयोजन हुआ। इस अवसर पर राजनीति, सामाजिक क्षेत्र और चिकित्सा जगत से जुड़ी कई गणमान्य हस्तियों ने उपस्थित रहकर कार्यक्रम में सहभागिता की। रामराज्याभिषेक के अवसर पर महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना के उपनेता बाला नांदगांवकर, शिवसेना नेता एवं लालबागचा राजा सार्वजनिक गणेशोत्सव मंडल के अध्यक्ष सुधीर भाऊ साल्वी, डाक्टर अमर मिश्रा, दिनेश त्रिपाठी,के के तिवारी, नीतेश्वर मिश्र,शिवसेना नगरसेवक सचिन पडवाल, कंसल्टेंट शैलेश महिमतुरा और मखारिया उपस्थित रहे। इनके अलावा सर जेजे अस्पताल के ऑप्टोमेट्रिस्ट एवं सर्जरी विशेषज्ञ डॉ. शशि कपूर तथा इसी अस्पताल के लैप्रोस्कोपिक सर्जन डॉ. अमोल वाघ ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। नवभारत के संपादक ब्रजमोहन पांडेय की भी विशेष उपस्थिति रही। रामलीला के दौरान प्रस्तुत किए गए कुंभकर्ण वध, मेघनाद वध और रावण वध के दृश्यों के साथ भगवान श्रीराम के राज्याभिषेक और अन्य धार्मिक प्रसंगों पर आधारित झांकियां आकर्षण का केंद्र रहीं। स्थानीय क्षेत्र के बड़ी संख्या में दर्शकों ने कार्यक्रम में भाग लिया और कलाकारों की प्रस्तुतियां देखीं। आयोजन में समिति के कार्यकताओं और पदाधिकारियों की सक्रिय भागीदारी रही।

श्री आदर्श रामलीला उप समिति के अध्यक्ष श्री राधेश्याम मिश्रा, एडवोकेट आर.बी. गुप्ता, बाबा साहेब मिशाल और कार्यकारिणी के अन्य सदस्यों ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी अतिथियों, कलाकारों, कार्यकताओं और स्थानीय नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति के पदाधिकारियों ने रामलीला के सफल मंचन में कलाकारों और सहयोगियों के योगदान की सराहना की। समिति की ओर से आयोजित रामलीला के माध्यम से रामायण के विभिन्न प्रसंगों का मंचन कर धार्मिक और सांस्कृतिक परंपरा को आगे बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है। रामलीला के इसी मंच पर दो नवंबर 2026 को शाम साढ़े छ बजे से आयोजित अखिल भारतीय कवि सम्मेलन में हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के संचालन में वरिष्ठ शायर असलम हसन, सूरज त्रिपाठी, ज्योति त्रिपाठी, सुहाना नाज, राजीव मिश्र, राजेश दुबे अल्हड़ असरदार व सुश्री किरण तिवारी काव्यपाठ करेंगे।

प्रजापति समाज विकास मंडल की कार्यकारिणी बैठक संपन्न, 10 जनवरी 2027 को नवीन पनवेल में होगा 22वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन



पनवेल (उत्तरशक्ति)। प्रजापति समाज विकास मंडल रजि. राष्ट्रीय सामाजिक संस्था (एनजीओ) की कार्यकारिणी की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को नवी मुंबई के पनवेल में राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. चंद्र प्रताप प्रजापति ह्यसीपीह्ल की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि संस्था का 22वां राष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन 10 जनवरी 2027 को नवीन पनवेल, नवी मुंबई में आयोजित किया जाएगा।

सम्मेलन में समाज के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा, रोजगार, व्यवसाय, उद्यमिता, राजनीतिक भागीदारी, सामाजिक नेतृत्व और सामाजिक एकजुटता जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य समाज की प्रतिभाओं, समाजसेवियों, युवाओं, उद्यमियों एवं वरिष्ठ नागरिकों को एक मंच पर लाकर संगठन को मजबूत बनाना और समाज की प्रगति को नई दिशा देना है। सम्मेलन में मेधावी विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करने, जरूरतमंद विद्यार्थियों को शैक्षणिक सहयोग प्रदान करने, वर-वधु परिचय सम्मेलन आयोजित करने तथा व्यापार एवं रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देने जैसे कार्यक्रम प्रस्तावित हैं। इसके अलावा समाज के लिए उल्लेखनीय योगदान देने वाले व्यक्तियों का सम्मान किया जाएगा। युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और संगठन के विस्तार पर भी विशेष चर्चा होगी।

बैठक में संस्था के पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय, प्रदेश एवं जिला स्तर के सभी पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों, आजीवन सदस्यों और समाज बंधुओं से सम्मेलन को सफल बनाने के लिए अभी से जनसंपर्क एवं प्रचार अभियान शुरू करने की अपील की।

बैठक में राष्ट्रीय मुख्य महासचिव गजेंद्र शिवशरन प्रजापति, राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. ज्ञान प्रकाश प्रजापति, महाराष्ट्र प्रदेश युवा अध्यक्ष विशाल जोगिंदर प्रजापति, रायगढ़ जिला महासचिव इंद्र प्रजापति, पनवेल महानगरपालिका अध्यक्ष राजेंद्र प्रजापति, युवा अध्यक्ष लव कुमार प्रजापति सहित रोहित राजेंद्र प्रजापति, दिलीप कुमार प्रजापति, पिंटू प्रजापति, कुलदीप प्रजापति, संजय प्रजापति, विकास एस. प्रजापति, अनुभव प्रजापति, विकास रामअवध प्रजापति, रोहित प्रजापति एवं शैलेश प्रजापति सहित अनेक गणमान्य समाज बंधु उपस्थित रहे।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सामवेदी ब्राह्मण कंज्यूमर पेठ 2026 का किया दौरा



वसई (उत्तरशक्ति)। वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने वसई के उमराले स्थित श्री उमादेवी मंदिर में दर्शन किए। इसके पश्चात उन्होंने सामवेद जागरण मंच, संजीवनी परिवार और जयमुनि सहकारी पटपेढ़ी लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सामवेदी ब्राह्मण कंज्यूमर पेठ 2026 का दौरा किया।

दिवाली के त्योहार को ध्यान में रखते हुए आयोजित इस कंज्यूमर पेठ में लोगों को पारंपरिक देसी उत्पाद, दिवाली के विशेष पकवान, विभिन्न खाद्य सामग्री और त्योहार से जुड़ी आवश्यक वस्तुएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जा रही हैं। इस पहल का उद्देश्य स्वदेशी उत्पादों को प्रोत्साहन देने के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों और छोटे व्यवसायियों को आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करना है।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने इस पहल की सराहना करते हुए आयोजकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस तरह के आयोजन स्थानीय व्यवसाय को मजबूती देने के साथ-साथ पारंपरिक खानपान, स्वदेशी उत्पादों और सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। साथ ही, लोगों को दिवाली की खरीदारी के लिए एक सुविधाजनक मंच मिलता है।

कार्यक्रम के दौरान दिलीप जोशी, आशीष जोशी, अरविंद दोशी, चंद्रकांत नाइक, सतीश नाइक, छगन नाइक, राजू नाइक, आनंद पाटिल, श्रीमती मनीषा जोशी, अंकुश नाइक, श्रीमती विनीता नाइक और श्रीमती श्रद्धा पाटिल सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इसके अलावा बिजेंद्र कुमार, मयूर नाइक, स्थानीय नागरिकों, पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

सामवेदी ब्राह्मण कंज्यूमर पेठ 2026 की यह पहल दिवाली की खुशियों के साथ देसी उत्पादों, स्थानीय व्यापार और सामाजिक सहभागिता को बढ़ावा देने की दिशा में एक सराहनीय कदम है।

62वर्षीय वृद्ध महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत, बीमारी के दावे पर उठे सवाल; फॉरेंसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य



जफराबाद ,जौनपुर (उत्तरशक्ति). स्थानीय थाना क्षेत्र के मुस्तफाबाद गांव में शनिवार की भोर में एक 65 वर्षीय वृद्ध महिला का शव संदिग्ध हालात में छत पर लगे बांस के सहारे साड़ी के फंदे से लटकता मिला। सुबह घटना की जानकारी होने पर परिजनों में कोहराम मच गया। मृतका की पहचान उर्मिला देवी पत्नी स्वर्गीय छोटेलाल यादव के रूप में हुई है। हालांकि, घटना के बाद से क्षेत्र में चचाओं का बाजार गर्म है और कई गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। शुरूआती तौर पर इसे पारिवारिक कलह और बीमारी के चलते उठाया गया कदम बताया जा रहा है, लेकिन जमीनी पड़ताल और स्थानीय परिस्थितियों को देखते हुए यह पूरा मामला बेहद संदिग्ध प्रतीत हो रहा है। ग्रामीणों और करीबियों के बीच सबसे बड़ा सवाल यह बना हुआ है कि यदि मृतका कुछ समय से बीमार थीं, तो आखिर वह कौन सी गंभीर बीमारी थी, जिसके चलते यह कदम उठाया गया? हैरान करने वाली बात यह है कि इस बीमारी के बारे में परिवार के अलावा आसपास के किसी भी व्यक्ति को कोई स्पष्ट जानकारी नहीं थी। इस अस्पष्टता के कारण घटना को लेकर तरह-तरह की चचाएं और अंदेशे जताए जा रहे हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया।

मामले की संवेदनशीलता और संधिग?ध परिस्थितियों को देखते हुए मौके पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। फॉरेंसिक विशेषज्ञों ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण किया और मौके से जरूरी साक्ष्य संकलित किए ताकि मौत के वास्तविक कारणों और अंदरूनी तथ्यों से पर्दा उठ सके। सूचना मिलने पर थानाध्यक्ष कमलनयन दूबे पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष कमलनयन दूबे ने बताया कि मृतका के पुत्र रूपेश यादव द्वारा दी गई सूचना के आधार पर विधिक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस और जानकारों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का सच खुद-ब-खुद सामने आ जाएगा। फिलहाल, फॉरेंसिक जांच और रिपोर्ट के आधार पर ही स्थिति पूरी तरह साफ हो सकेगी, और पुलिस हर पहलू को ध्यान में रखकर गहराई से जांच-पड़ताल कर रही है।

भाजपा-महायुति की लोकशाही बचाओ, आरक्षण हटाओ पदयात्रा रैली संपन्न



ठाणे (उत्तरशक्ति)। भारतीय जनता पार्टी और महायुति की ओर से लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा तथा संवैधानिक व्यवस्था के सम्मान के उद्देश्य से ठाणे में आयोजित ह्यलोकशाही बचाओ, आरक्षण हटाओह्ल पदयात्रा रैली में वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित शामिल हुईं। रैली में भाजपा-महायुति के पदाधिकारियों, कार्यकताओं, जनप्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने लोकतंत्र के महत्व पर जोर देते हुए कहा कि भारत का लोकतंत्र और भारत रत्न डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर द्वारा संविधान के माध्यम से देश को दी गई संवैधानिक व्यवस्था हमारी अमूल्य धरोहर है। लोकतंत्र केवल शासन चलाने की व्यवस्था नहीं, बल्कि देश की एकता, संप्रभुता और संवैधानिक मूल्यों की मजबूत नींव है। लोकतांत्रिक संस्थाओं पर विश्वास बनाए रखना और चुनावी प्रक्रिया की गरिमा का सम्मान करना प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है।

उन्होंने कहा कि लोकतांत्रिक प्रक्रिया और जनादेश का सम्मान करना आवश्यक है। संवैधानिक व्यवस्था के प्रति विश्वास बनाए रखते हुए देशहित और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा के लिए सभी को एकजुट होकर कार्य करना चाहिए। रैली में मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, भाजपा महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक रविंद्र दादा चव्हाण तथा पालघर जिले के संरक्षक मंत्री एवं वन मंत्री गणेश नाइक सहित भाजपा-महायुति के मंत्री, विधायक, जनप्रतिनिधि, जिला अध्यक्ष, पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस पदयात्रा के माध्यम से भाजपा-महायुति ने लोकतंत्र के सम्मान, संवैधानिक व्यवस्था के प्रति विश्वास और देशहित के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश दिया।

अंबेडकरनगर में ट्रेन के आगे कूदकर रिटायर्ड दरोगा ने दी जान



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंबेडकर नगर जनपद के अकबरपुर रेलवे स्टेशन पर रविवार सुबह एक दर्दनाक घटना सामने आई। यहां 65 वर्षीय सेवानिवृत्त दरोगा इंद्र कुमार यादव ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। घटना सुबह करीब 7:40 बजे प्लेटफॉर्म नंबर एक पर जीआरपी कार्यालय के सामने हुई। वह कोलकाता से जम्मू जा रही ट्रेन के सामने कूद गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।

मृतक इंद्र कुमार यादव मूल रूप से अयोध्या जिले के महाराजगंज थाना क्षेत्र के मड़ियावा गांव के निवासी थे। वह करीब पांच वर्ष पहले पुलिस विभाग में दरोगा पद से सेवानिवृत्त हुए थे। सेवानिवृत्ति के बाद उन्होंने अकबरपुर की साबुन वाली गली में मकान बनवाया था और परिवार के साथ रहने लगे थे।

परिवार में उनका बड़ा बेटा बबलू सीआरपीएफ में तैनात है, जबकि दो छोटे बेटे प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे हैं।

5 नवंबर को जौनपुर आएंगे केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, मुंगराबादशाहपुर में बाईपास की रखेंगे आधारशिला



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिले के विकास और यातायात व्यवस्था को बेहतर बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल होने जा रही है। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी आगामी 5 नवंबर को जौनपुर दौरे पर आएंगे। इस दौरान वह मुंगराबादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र में जौनपुर-प्रयागराज मार्ग पर प्रस्तावित बाईपास मार्ग की आधारशिला रखेंगे। केंद्रीय मंत्री के आगमन को लेकर जिले में राजनीतिक और प्रशासनिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी ने मिडिया को केंद्रीय मंत्री के कार्यक्रम की जानकारी देते हुए बताया कि नितिन गडकरी 5 नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंचेंगे। कार्यक्रम में क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, पार्टी पदाधिकारियों और अन्य गणमान्य लोगों के शामिल होने की संभावना है। प्रस्तावित बाईपास के निर्माण से मुंगराबादशाहपुर क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में मदद मिलने की उम्मीद है।

जौनपुर-प्रयागराज मार्ग पर आवागमन करने वाले लोगों को राहत मिलने के साथ ही कस्बे के भीतर वाहनों का दबाव कम करने और सड़क दुर्घटनाओं की आशंका घटाने में भी यह परियोजना महत्वपूर्ण साबित हो सकती है। इसके निर्माण से क्षेत्र के व्यापारिक और आर्थिक गतिविधियों को भी गति मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। उधर, केंद्रीय मंत्री के संभावित दौरे को देखते हुए जिला प्रशासन भी सक्रिय हो गया है। कार्यक्रम स्थल की तैयारियों, सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन और अन्य जरूरी व्यवस्थाओं को लेकर संबंधित अधिकारियों के स्तर पर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। प्रशासनिक अधिकारी कार्यक्रम को व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए व्यवस्थाओं का जायजा ले रहे हैं। केंद्रीय मंत्री के इस दौरे को जिले में सड़क कनेक्टिविटी और आधारभूत ढांचे के विकास के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। अब सभी की निगाहें 5 नवंबर को होने वाले इस कार्यक्रम पर टिकी हैं।





होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया ने अक्टूबर 2026 में 7.34 लाख यूनिट्स की बिक्री का रिकॉर्ड बनाया

मुंबई। होंडा मोटरसाइकिल एंड स्कूटर इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एचएमएसआई) ने अक्टूबर 2026 में कुल 7.34 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 6.50 लाख यूनिट्स की तुलना में साल-दर-साल 13% की बढ़ोतरी है। अक्टूबर 2026 में घरेलू बिक्री 6.64 लाख यूनिट रही, जो अक्टूबर 2025 में बेची गई 5.98 लाख यूनिट से 11% ज्यादा है। अक्टूबर 2026 में एक्सपोर्ट 0.69 लाख यूनिट रहा, जो अक्टूबर 2025 में एक्सपोर्ट की गई 0.51 लाख यूनिट से 35% ज्यादा है। FY27 (अप्रैल-अक्टूबर 2026) के साल-दर-साल के समय के लिए, एचएमएसआई ने कुल 41.74 लाख यूनिट्स की बिक्री दर्ज की, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 36.44 लाख यूनिट्स से 15% ज्यादा है। अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान घरेलू बिक्री 37.08 लाख यूनिट्स रही, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान बेची गई 32.80 लाख यूनिट्स की तुलना में 13% ज्यादा है। अप्रैल-अक्टूबर 2026 के दौरान एक्सपोर्ट 4.65 लाख यूनिट्स रहा, जो अप्रैल-अक्टूबर 2025 के दौरान एक्सपोर्ट की गई 3.63 लाख यूनिट्स से 28% ज्यादा है। अक्टूबर 2026 के दौरान, एचएमएसआई ने त्योहारों के मौसम में लगातार अंदरूनी मांग देखी और अपने मजबूत प्रोडक्ट पोर्टफोलियो और 7,000 से ज्यादा टचपॉइंट्स के बड़े डीलर नेटवर्क के जरिए ग्राहकों को सेवा देने पर ध्यान दिया।

सिपाही पर फायरिंग करने वाले गिरोह की असलहा फैक्ट्री का भंडाफोड़

पिस्टल-कारतूस के साथ हथियार बनाने का पूरा साजो-सामान बरामद

वाराणसी। लंका थाने के आरक्षी अमित शुक्ला को गोली मारने वाले गिरोह का अवैध असलहा निर्माण और तस्करी का नेटवर्क पुलिस ने बेनकाब किया है। सामने घाट की शिवाजी नगर कॉलोनी स्थित एक किराये के मकान में कथित रूप से अवैध असलहे बनाने और उनकी सप्लाई का धंधा चल रहा था। पुलिस ने छापेमारी कर तीन तैयार देसी पिस्टल, 175 कारतूस, 24 खोखे, 19 अर्द्धनिर्मित असलहे और हथियार बनाने में इस्तेमाल होने वाली मशीनें व औजार बरामद किए हैं। कार्रवाई में मुख्य आरोपी अंजनी नंदन झा के पिता विमल कांत झा और उसके करीबी दोस्त अमन कुमार मिश्रा को गिरफ्तार किया गया है। अंजनी नंदन पहले ही पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार हो चुका है।

पुलिस के मुताबिक, आरक्षी अमित शुक्ला पर फायरिंग की घटना के बाद से ही लंका पुलिस गिरोह के अन्य सदस्यों, उनके ठिकानों और असलहा सप्लाई नेटवर्क की पड़ताल में जुटी थी। मुखबिरों के साथ सीसीटीवी फुटेज, साइबर और सर्विलांस की मदद से संदिग्धों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही थी। इसी दौरान मुख्य आरोपी अंजनी नंदन झा की कॉल डिटेल रिकॉर्ड (सीडीआर) खंगालने पर एक संदिग्ध मोबाइल नंबर सामने आया। जांच में यह नंबर देवरिया निवासी अमन कुमार मिश्रा का निकला, जो फिलहाल डाफी में रह रहा था। पूछताछ में अमन ने अंजनी नंदन से करीबी



दोस्ती स्वीकार करते हुए बताया कि वह उसके लिए अवैध असलहों और कारतूसों की सप्लाई तथा पैसों के लेन-देन में मदद करता था। उसने पुलिस को यह भी बताया कि सामने घाट की शिवाजी नगर कॉलोनी स्थित किराये के मकान में अवैध असलहे और कारतूस रखे जाते हैं। इसी सूचना पर पुलिस टीम ने 31 अक्टूबर को मकान पर छापा मारा। पुलिस के मुताबिक, मकान की तलाशी के दौरान तीन .32 बोर की देसी पिस्टल, अलग-अलग बोर के 143 जिंदा कारतूस, 24 खोखे, 19 अर्द्धनिर्मित असलहे और बैरल तथा छह मैगजीन बरामद हुईं। इसके अलावा असलहे तैयार करने में इस्तेमाल होने वाली ग्राइंडर, पिलर ड्रिल, वेल्डिंग मशीन, पॉलिशर समेत कई मशीनें और बड़ी संख्या में औजार मिले। लोहे के 309 छोटे-बड़े टुकड़े, 104 नए व दो इस्तेमाल किए गए वेल्डिंग रॉड और अन्य सामग्री भी बरामद हुई है। मकान में मौजूद विमल कांत झा को पुलिस ने हिरासत में लेकर पूछताछ की। पुलिस का दावा है कि उसने बताया कि उसका बेटा अंजनी नंदन गलत संगत और नशे का आदी है। उसके दोस्तों का मकान पर आना-जाना था। वहां अवैध असलहे और कारतूस बनाने की सामग्री जुटाई जाती थी। विमल के मुताबिक, मोटी कमाई के लालच में वह भी इस गतिविधि में सहयोग करने लगा था। पुलिस ने अमन और विमल को आयुध अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया।

मुठभेड़ में पकड़ा गया था गिरोह का सरगना

इस प्रकरण में पुलिस पहले ही मुख्य आरोपी अंजनी नंदन झा को मुठभेड़ में गिरफ्तार कर चुकी है। उसके साथ राज विश्वकर्मा और बिहार के गोपालगंज निवासी राजू तिवारी भी पुलिस की गिरफ्त में आ चुके हैं। पुलिस ने अंजनी नंदन को गिरोह का सरगना बताया है। अब उसके पिता और करीबी सहयोगी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस इस नेटवर्क के अन्य संपर्कों और हथियारों की सप्लाई से जुड़े लोगों की जानकारी जुटा रही है।

पुलिस टीम को एक लाख का इनाम

पुलिस उपायुक्त काशी जोन के निर्देशन में हुई इस कार्रवाई में लंका पुलिस और सर्विलांस सेल की टीम शामिल रही। पुलिस आयुक्त ने गिरफ्तारी और बरामदगी करने वाली टीम का उत्साहवर्धन करते हुए एक लाख रुपये नकद पुरस्कार देने की घोषणा की है। पुलिस अब बरामद हथियारों की जांच के साथ यह पता लगाने में जुटी है कि गिरोह ने अब तक कितने असलहे तैयार किए और किन-किन लोगों तक उनकी सप्लाई की।

विरार पूर्व में श्री महाकाली माता मंदिर द्वारा सकल नवरात्रि नवरंग प्रतियोगिता आयोजन



विरार। जगत जननी श्री महाकाली माता मंदिर, विरार पूर्व की ओर से सकल नवरात्रि नवरंग प्रतियोगिता 2026 का भव्य आयोजन बड़े उत्साह और उमंग के साथ किया गया। आयोजक मनीष यशवंत राउत के नेतृत्व में आयोजित यह प्रतियोगिता सफलतापूर्वक संपन्न हुई। नवरात्रि के नौ दिनों तक चलने वाली इस प्रतियोगिता को महिलाओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिला। देवी दुर्गा के नौ स्वरूपों और नौ रंगों की संकल्पना पर आधारित इस आयोजन में विभिन्न महिला मंडलों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। नौ दिनों तक महिलाओं ने अलग-अलग रंगों की पारंपरिक वेशभूषा धारण कर भारतीय संस्कृति, एकता और परंपरा की सुंदर झलक प्रस्तुत की।

प्रतियोगिता के अंतर्गत प्रतिदिन विजेता महिला मंडलों को पैठणी साड़ी देकर सम्मानित किया गया। इस आयोजन को सफल बनाने में महिला अध्यक्ष श्रीमती सिद्धि मनीष राउत और एडवोकेट उन्नति मनीष राउत का विशेष मार्गदर्शन एवं प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। इस पहल का मुख्य उद्देश्य नवरात्रि के पावन अवसर पर महिलाओं की प्रतिभा को मंच प्रदान करना, उनमें आपसी एकता और सहयोग की भावना को मजबूत करना तथा भारतीय संस्कृति एवं पारंपरिक विरासत को संरक्षित करना था। आयोजक मनीष यशवंत राउत ने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी महिला मंडलों, विजेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं का आभार व्यक्त करते हुए सभी को बधाई दी। पुरस्कार वितरण समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष एवं नगरसेविका श्रीमती प्रज्ञाताई पाटिल, नगरसेविका श्रीमती योगिता करंजकर, श्रीमती पूजा नरवणकर सहित अन्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

नवरात्रि के नौ रंगों के माध्यम से महिलाओं की प्रतिभा, एकजुटता और सांस्कृतिक विरासत को प्रोत्साहित करने वाला यह आयोजन क्षेत्र में आकर्षण का केंद्र बना और सभी प्रतिभागियों के लिए यादगार अनुभव साबित हुआ।

इंडस ऐपस्टोर बना 'फोनपे ऐपस्टोर', भारत के डिजिटल प्रोडक्ट्स के लिए एकीकृत मार्केटप्लेस

मुंबई। फोनपे ने आज अपने स्वदेशी ऐप मार्केटप्लेस इंडस मार्केटप्लेस का नाम बदलकर फोनपे ऐपस्टोर करने की घोषणा की। पूरे भारत में व्यापक रूप से अपनाए जाने वाले इस प्लेटफॉर्म के यूजर बेस में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, कर्नाटक और तेलंगाना शीर्ष पाँच स्थान पर हैं। इसके लगातार बढ़ते ऐप और गेमिंग कैटलॉग में ChatGPT, Duolingo, ShareChat और Sony LIV जैसे लोकप्रिय ऐप्स के साथ-साथ Honor of Kings और Hitwicket जैसे गेम्स शामिल हैं। सोशल, एक्शन और सिमुलेशन गेम्स इस प्लेटफॉर्म की सबसे पसंदीदा कैटेगरीज हैं। मोबाइल कंपनियों के साथ पार्टनरशिप की बदौलत आज यह 20 करोड़ से भी अधिक डिवाइसेज तक पहुँच चुका है। फोनपे ऐपस्टोर अब केवल ऐप डिस्कवरी तक सीमित नहीं है, बल्कि डिजिटल गुड्स और सेवाओं के एक संपूर्ण मार्केटप्लेस के रूप में उभर रहा है। अब यूजर्स ऐप्स और गेम्स के अलावा विभिन्न श्रेणियों के गिफ़्ट कार्ड्स और टॉप-अप्स पर भी आकर्षक ऑफर्स का लाभ उठा सकेंगे। फोनपे के सुरक्षित और भरोसेमंद पेमेंट इंफ्रास्ट्रक्चर की मदद से यह प्लेटफॉर्म डिजिटल प्रोडक्ट्स की डिस्कवरी और खरीद को बेहद आसान बनाता है, साथ ही डेवलपर्स को डिस्ट्रीब्यूशन और मोनेटाइजेशन का एक सशक्त विकल्प भी प्रदान करता है। इस रीब्रांडिंग पर विस्तार से बात करते हुए, फोनपे ऐपस्टोर की चीफ बिजनेस ऑफि सर, प्रिया नरसिम्हन जी ने कहाः इंडस ऐपस्टोर को 'फोनपे ऐपस्टोर' के रूप में रीब्रांड करना हमारी यात्रा का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है, यह फोनपे के भरोसे और उसकी पहुँच को सीधे इस प्लेटफॉर्म से जोड़ता है। अब डेवलपर्स सिर्फ.ऐप डिस्कवरी तक सीमित नहीं रहेंगे- वे विज्ञापनों, गिफ़्ट कार्ड्स और टॉप-अप के माध्यम से मोनेटाइजेशन (कमाई) के नए अवसर अनलॉक कर सकते हैं।

पत्रकारों को मिली निःशुल्क चिकित्सा सुविधा, आगे भी जारी रहेगा इलाज

-सुरेश गांधी

वाराणसी। वाराणसी प्रेस क्लब की ओर से रविवार को पराड़कर स्मृति भवन में पत्रकारों एवं उनके परिजनों के लिए निःशुल्क होमियोपैथी एवं न्यूरोथेरेपी चिकित्सा शिविर आयोजित किया गया। इसमें चिकित्सकों ने विभिन्न रोगों का परीक्षण कर परामर्श एवं दवाएं वितरित कीं। न्यूरोथेरेपी के जरिए गठिया और रीढ़ संबंधी समस्याओं का उपचार किया गया। बड़ी संख्या में मीडियाकर्मियों और उनके परिजनों ने शिविर का लाभ उठाया। राजकीय होमियोपैथी चिकित्सालय, राजघाट के वरिष्ठ चिकित्साधिकारी डॉ. चन्द्रशेखर तिवारी ने भरोसा दिलाया कि यह सेवा केवल एक दिवसीय शिविर तक सीमित नहीं रहेगी। इच्छुक पत्रकारों को ढेलवरिया स्थित होमियोपैथी चिकित्सालय में आगे भी निःशुल्क परामर्श और दवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। इस मौके पर काशी पत्रकार संघ के अध्यक्ष अरुण मिश्र, प्रेस क्लब अध्यक्ष चंदन रूपानी सहित चिकित्सक एवं पत्रकार मौजूद रहे। संचालन मंत्री विनय शंकर सिंह ने किया।

टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स की अक्टूबर 2026 में धमाकेदार बिक्री

मुंबई। भारत की प्रमुख वाहन निमार्ता कंपनी टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स लिमिटेड ने अक्टूबर 2026 के अपने बिक्री आंकड़े जारी कर दिए हैं। कंपनी ने घरेलू और वैश्विक बाजारों में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए कुल 75,426 यूनिट्स की बिक्री हासिल की है। यह आंकड़ा पिछले साल समान अवधि (अक्टूबर 2025) की 61,295 यूनिट्स की तुलना में 23% की मजबूत सालाना वृद्धि को दशार्ता है। घरेलू बाजार में कंपनी ने 21% की बढ़त के साथ 73,894 वाहनों की बिक्री दर्ज की। कंपनी के इलेक्ट्रिक वाहन सेगमेंट ने इस महीने शानदार रफ्तार बनाए रखी। कंपनी ने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में कुल 16,244 इलेक्ट्रिक वाहन बेचे, जो अक्टूबर 2025 की 9,286 यूनिट्स के मुकाबले 75% की उल्लेखनीय वृद्धि है। इसके साथ ही, अंतरराष्ट्रीय बाजार में पैसेंजर वाहनों के निर्यात में रिकॉर्ड 852% का उछाल देखा गया, जहाँ कुल 1,532 यूनिट्स का निर्यात किया गया। अक्टूबर 2025 में कंपनी ने 161 यूनिट्स का निर्यात किया था।

चिन्मय मिशन के वैश्विक सम्मेलन में 9 हजार से अधिक प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया

रांची। चिन्मय मिशन ने तीन दिवसीय चिन्मय अमृत महोत्सव वैश्विक सम्मेलन का समापन किया। यह सम्मेलन चिन्मय मूवमेंट के 75 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित वर्षभर के समारोहों का समापन था। भारत और विदेशों से आए 9000 से अधिक प्रतिभागियों ने इसमें हिस्सा लिया। नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित सम्मेलन के माध्यम से स्वामी चिन्मयानंद की चिरस्थायी विरासत का उत्सव मनाया गया। आध्यात्मिक प्रवचनों, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों, विभिन्न पीढ़ियों के बीच संवाद और अनुभवात्मक गतिविधियों के जरिए मिशन के दार्शनिक मूल्यों को समकालीन जीवन से जोड़ने का प्रयास किया गया। तीन दिवसीय इस आयोजन के समापन दिवस पर विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर और भारत में संयुक्त राष्ट्र के रेजिडेंट कोऑर्डिनेटर स्टीफन प्रीस्नर भी शामिल हुए।

ओंकार अंध केईव्हीके सोसायटी का 38वां वार्षिक दीपावली उपहार वितरण समारोह व 45 दृष्टिबाधित जोड़ों का सामूहिक विवाह संपन्न



मुंबई। घाटकोपर स्थित सामाजिक संस्था ओंकार अंध केईव्हीके सोसायटी की ओर से दृष्टिबाधित भाई-बहनों के लिए आयोजित 38वां वार्षिक दीपावली स्नेह भेंट कार्यक्रम घाटकोपर पूर्व के पंतनगर स्थित अरुणकुमार वैद्य मैदान में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का उद्घाटन विधायक पराग शाह के हाथों किया गया। नगरसेवक धर्मेश गिरी और अशोक टी. देवरेपाटील के नेतृत्व में ओंकार अंध केईव्हीके सोसायटी तथा आर्हम युवा सेवा ग्रुप के सहयोग से 4,600 जरूरतमंद दृष्टिबाधित भाई-बहनों को दीपावली के फराल एवं उपहार वितरित किए गए। इसके साथ ही 45 दृष्टिबाधित जोड़ों का सामूहिक विवाह समारोह भी आयोजित किया गया। विवाह समारोह के अंतर्गत पेस्टम सागर हॉल में संगीत, मेहंदी और हल्दी के कार्यक्रम आयोजित किए गए। जैन धर्मगुरु नम्रमुनि महाराज के आशीर्वाद तथा पूर्व सांसद मनोज कोटक और विधायक पराग शाह के मार्गदर्शन में यह आयोजन संपन्न हुआ। कार्यक्रम में शामिल सभी जरूरतमंदों के लिए भोजन एवं जलपान की व्यवस्था की गई थी। दृष्टिबाधित भाई-बहनों के मनोरंजन के लिए संगीतमय कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। लगभग 37 वर्ष पहले भूपत गिरी और उनके कुछ सहयोगियों ने दृष्टिबाधितों की सहायता के उद्देश्य से इस सामाजिक उपक्रम की शुरूआत की थी। आज धर्मेश गिरी के प्रयासों से यह सेवा निरंतर जारी है। इस वर्ष महाराष्ट्र के कोंकण, विदर्भ, मराठवाड़ा, पश्चिम महाराष्ट्र तथा मुंबई सहित विभिन्न क्षेत्रों के 4,600 दृष्टिबाधित भाई-बहनों और विधवा महिलाओं को दीपावली उपहारों का लाभ मिला।

इस अवसर पर नगरसेविका राखी जाधव ने अपने संबोधन में कहा कि समाजसेवा करने के साथ-साथ उससे मिलने वाला आत्मसंतोष भी महत्वपूर्ण है। धर्मेश गिरी अपने पिता के सामाजिक कार्यों को निरंतर आगे बढ़ा रहे हैं। जरूरतमंदों की सहायता के लिए हाथ बढ़ाना एक संतोषदायक कार्य है, जिसे धर्मेश गिरी और उनके सहयोगी पूरी लगन से कर रहे हैं। इस आयोजन को सफल बनाने में ओंकार अंध केईव्हीके सोसायटी के सदस्य अशोक टी. देवरेपाटील, धर्मेश गिरी, प्रवीणभाऊ तन्ना, विपुलभाई मेहता (छायाचित्रकार), कमलेशभाई ठोसानी (केटरर), निरुपा नितिन शाह, विपुल के. पारेख, भावेश गिरी, नितिन शाह सहित अन्य सहयोगियों ने महत्वपूर्ण योगदान दिया।

एका मोबिलिटी और ग्रुप कंपनियों ने एका अविर्भाव में 6 नई फैक्ट्रियों का किया उद्घाटन

मुंबई। एका मोबिलिटी ने पिनाकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड और अपनी ग्रुप कंपनियों के साथ मिलकर एका अविर्भाव में अपनी 6 नई फैक्ट्रियों का उद्घाटन किया। यह ऐतिहासिक कार्यक्रम पुणे के जेडब्ल्यू मैरियट में हुआ। इसमें महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री और उप-मुख्यमंत्री, केंद्र और राज्य सरकार के मंत्री, इंडस्ट्री लीडर्स और स्ट्रैटेजिक पार्टनर्स शामिल हुए। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश में फैली ये 6 नई फैक्ट्रियां मिलकर भारत में इलेक्ट्रिक कमर्शियल गाड़ियां बनाने के सबसे बड़े इंटीग्रेटेड मैन्युफैक्चरिंग प्लेटफॉर्म्स में से एक बनाती हैं।

यह उद्घाटन ऐसे समय हुआ है, जो कंपनी के लिए बेहद अहम है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में एका मोबिलिटी ने सालाना आधार पर 1,243% यानी 13 गुना से ज्यादा की बढ़ोतरी दर्ज की है। अविर्भाव के साथ अब उत्पादन का वह आधार तैयार हो गया है, जिससे यह रफ्तार आगे भी जारी रह सके। इन नई फैक्ट्रियों का उद्घाटन महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, केंद्रीय भारी उद्योग एवं इस्पात मंत्री एच.डी. कुमारस्वामी, महाराष्ट्र की उप-मुख्यमंत्री श्रीमती सुनेत्रा पवार, बीजेपी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री बी.एल. संतोष, केंद्रीय नागरिक उड्डयन एवं सहकारिता राज्य मंत्री मुरलीधर मोहोल, महाराष्ट्र के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री चंद्रकांत दादा पाटिल और फोर्स मोटर्स लिमिटेड के चेयरमैन डॉ. अभय फिरोदिया ने किया।

कार्यक्रम के बारे में बात करते हुए एका मोबिलिटी और ग्रुप कंपनियों के संस्थापक और चेयरमैन डॉ. सुधीर मेहता ने कहा, एका अविर्भाव हमारे सफर का एक निर्णायक पड़ाव है, जिसमें हम भारत में एक ऐसा मैन्युफैक्चरिंग इकोसिस्टम बना रहे हैं, जो भविष्य के लिए तैयार हो और दुनिया भर में मुकाबला कर सके। हमारे ग्रुप की 6 नई फैक्ट्रियों की शुरूआत इनोवेशन, स्वदेशी इंजीनियरिंग, सस्टेनेबल मोबिलिटी और बेहतरीन मैन्युफैक्चरिंग के प्रति हमारी अटूट प्रतिबद्धता को दिखाती है। ये फैक्ट्रियां इंफ्रास्ट्रक्चर से कहीं बढ़कर हैं। ये हमारे उस विजन की झलक हैं, जिसमें हम भारत में वर्ल्ड-क्लास क्षमताएं तैयार करना, सार्थक रोजगार पैदा करना, प्रतिभाओं को निखारना और देश को वैश्विक मैन्युफैक्चरिंग पावरहाउस बनाने में योगदान देना चाहते हैं। इस बड़े कदम के साथ हमारा ध्यान ऐसे मोबिलिटी सॉल्यूशंस देने पर बना रहेगा, जो बड़ा बदलाव लाएं और हमारे ग्राहकों, देश और आने वाली पीढ़ियों को लंबे समय तक फायदा पहुंचाएं।

वृहद विधिक सहायता शिविर में कृषि विभाग ने किसानों को किया लाभान्वित, ट्रैक्टर की चाबी देकर किया सम्मान



वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद और उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशन एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, वाराणसी के तत्वावधान में स्वतंत्रता भवन सभागार, बीएचयू, वाराणसी में आयोजित वृहद विधिक सहायता एवं सेवा शिविर में कृषि विभाग, वाराणसी द्वारा किसानों को विभिन्न विभागीय योजनाओं से लाभान्वित किया गया। कार्यक्रम में माननीय जिला एवं सत्र न्यायाधीश महोदय के कर-कमलों द्वारा कस्टम हायरिंग सेंटर योजना के लाभार्थियों को ट्रैक्टर की प्रतीकात्मक चाबी एवं प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कृषि विभाग द्वारा विभिन्न कृषि योजनाओं के लाभार्थी किसानों को भी प्रमाण पत्र वितरित किए गए। शिविर के अंतर्गत किसानों को मृदा स्वास्थ्य कार्ड, मिनी किट वितरण, प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना सहित कृषि विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी एवं कृषक हितैषी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित किया गया। साथ ही कृषि विभाग द्वारा विविध सेवा शिविर आयोजित कर किसानों को विभागीय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई तथा पात्र किसानों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता उपलब्ध कराई गई। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य किसानों को शासन की कृषि संबंधी योजनाओं से जोड़ना, आधुनिक कृषि यंत्रों की उपलब्धता को प्रोत्साहित करना तथा कृषि उत्पादन एवं उत्पादकता में वृद्धि के साथ किसानों की आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करना रहा।

पंजाब नेशनल बैंक ने राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुलिस के शहीदों को श्रद्धांजलि दी सतर्कता जागरूकता सप्ताह 2026 के अवसर पर

मुंबई। पंजाब नैशनल बैंक द्वारा प्रतिवर्ष भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती से पूर्व वाले सप्ताह में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया जाता है। इस वर्ष, बैंक 26 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक समृद्धि के लिए सत्यनिष्ठा (Probity for Prosperity) विषय के तहत सतर्कता जागरूकता सप्ताह मना रहा है। इस अवसर को चिह्नित करने के लिए बैंक भर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इन्हीं गतिविधियों के क्रम में, पंजाब नैशनल बैंक के अंचल कार्यालय, दिल्ली द्वारा कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राण न्योछावर करने वाले पुलिसकर्मियों के सर्वोच्च बलिदान को नमन करते हुए 31 अक्टूबर 2026 को राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर एक श्रद्धांजलि समारोह का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का नेतृत्व पंजाब नैशनल बैंक के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी (MD & CEO) अशोक चंद्र ने किया। इस अवसर पर बैंक के कार्यकारी निदेशक डी. सुरेन्द्रन, कार्यकारी निदेशक श्री अमित कुमार श्रीवास्तव, मुख्य सतर्कता अधिकारी राघवेंद्र कुमार, मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन)सुमेश कुमार, अंचल प्रबंधक (दिल्ली) राजेश भौमिक एवं अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ गणमान्य व्यक्तियों द्वारा अमर पुलिस शहीदों के सम्मान में राष्ट्रीय पुलिस स्मारक पर पुष्पचक्र अर्पित कर किया गया। इसके पश्चात, मुख्य सतर्कता अधिकारी राघवेंद्र कुमार ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सतर्कता की शपथ दिलाई।तत्पश्चात प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी अशोक चंद्र, कार्यकारी निदेशक डी. सुरेन्द्रन, कार्यकारी निदेशक अमित कुमार श्रीवास्तव तथा मुख्य सतर्कता अधिकारी राघवेंद्र कुमार ने उपस्थित जनसमूह को संबोधित किया। जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से इस अवसर पर एक 'वॉकाथॉन' का भी आयोजन किया गया।

किसना ने पूर्णिया में अपने नए एक्सक्लूसिव शोरूम का किया शुभारंभ

पूर्णिया। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी ने पूर्णिया में अपने 22वें एक्सक्लूसिव शोरूम का भव्य शुभारंभ किया। यह शोरूम फोर्ड कंपनी चौक स्थित मेगाशॉप के बगल में खोला गया है। शोरूम का उद्घाटन हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया एवं किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर चंदन कुमार सिंह और विमल कुमार ने संयुक्त रूप से किया। इस नए शोरूम के शुभारंभ के साथ किसना ने बिहार में अपने रिटेल विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

शोरूम के भव्य उद्घाटन के अवसर पर ग्राहकों के लिए कई आकर्षक ऑफर पेश किए गए हैं। इनमें डायमंड और गोल्ड ज्वेलरी की मेकिंग चार्ज पर 100 प्रतिशत तक की छूट तथा केवल 25 प्रतिशत अग्रिम भुगतान पर सोने की दरों के दोगुने मूल्य संरक्षण का लाभ शामिल है। ग्राहक पुराने सोने के बदले डायमंड ज्वेलरी खरीदने पर उसके मूल्य का 105 प्रतिशत तक लाभ प्राप्त कर सकते हैं। इसके अलावा, डायमंड ज्वेलरी पर मेकिंग चार्ज सहित 90 प्रतिशत बायबैक और 95 प्रतिशत एक्सचेंज की सुविधा भी दी जा रही है। ग्राहक ग्रैंड लकी ड्रॉ में भाग लेकर कार या स्कूटर जीतने का अवसर भी प्राप्त कर सकते हैं। हरि कृष्णा ग्रुप के संस्थापक घनश्याम ढोलकिया ने कहा कि बिहार किसना के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है और राज्य में अपनी उपस्थिति का विस्तार करने की अपार संभावनाएं हैं। पूर्णिया में एक्सक्लूसिव शोरूम का शुभारंभ राज्य में हमारे विस्तार की यात्रा का एक और महत्वपूर्ण कदम है। हमारा लक्ष्य हर उत्सव और हर परिवार का हिस्सा बनना है। हम हर घर किसना के अपने विजन को साकार करने की दिशा में लगातार आगे बढ़ रहे हैं। किसना डायमंड एंड गोल्ड ज्वेलरी के सीईओ पराग शाह ने कहा कि पूर्णिया में किसना की बढ़ती उपस्थिति में एक महत्वपूर्ण कड़ी है। त्योहारों के मौसम और दिवाली के दौरान आभूषणों की खरीदारी में तेजी को देखते हुए हमारा उद्देश्य ग्राहकों को हीरे और सोने के आभूषणों की विविध रेंज के साथ प्रीमियम शॉपिंग अनुभव प्रदान करना है। आकर्षक त्योहारी ऑफर और विशेष रूप से तैयार किए गए कलेक्शन के माध्यम से हम पूर्णिया के परिवारों के उत्सवों और जीवन के खास पलों को और भी यादगार बनाना चाहते हैं।

किसना के एक्सक्लूसिव ब्रांड आउटलेट पार्टनर चंदन कुमार सिंह एवं विमल कुमार ने कहा कि पूर्णिया में किसना की विश्वसनीयता और उत्कृष्ट कारीगरी की विरासत को लाना हमारे लिए गर्व का क्षण है। दिवाली और आगामी उत्सवों की तैयारियों के बीच हमारा एक्सक्लूसिव शोरूम ग्राहकों को त्योहारों पर उपहार देने और जीवन के खास अवसरों के लिए हीरे तथा सोने के आभूषणों की विविध रेंज उपलब्ध कराएगा। हमें उम्मीद है कि हम ग्राहकों के साथ लंबे समय तक भरोसेमंद संबंध स्थापित करेंगे और उनके जीवन के सबसे खुशनुमा अवसरों का हिस्सा बनेंगे। समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रतिबद्धता के तहत किसना ने शोरूम के शुभारंभ के अवसर पर जरूरतमंद लोगों के बीच भोजन वितरण अभियान भी चलाया। इसके साथ ही स्वच्छ भारत अभियान के समर्थन में स्वच्छता अभियान, वृक्षारोपण कार्यक्रम और रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया।

नीलकमल नाका पर भारी वाहनों के प्रवेश पर रोक लगाने की मांग

शिवसेना प्रवक्ता राम भवन शर्मा ने मंत्री प्रताप सरनाईक और ट्रैफिक पुलिस को सौंपा पत्र

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। काशीमीरा प्रभाग क्रमांक 14 में भारी वाहनों की आवाजाही के कारण बढ़ती यातायात समस्या और दुर्घटनाओं की आशंका को देखते हुए शिवसेना प्रवक्ता राम भवन शर्मा ने नीलकमल नाका पर भारी वाहनों के प्रवेश पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। इस संबंध में उन्होंने महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक तथा मीरा-भायंदर ट्रैफिक विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रफुल्ल वाघ को लिखित पत्र सौंपकर वैकल्पिक यातायात व्यवस्था लागू करने का अनुरोध किया है। राम भवन शर्मा के अनुसार, नीलकमल नाका पर भारी वाहनों और मिक्सर गाड़ियों की आवाजाही के कारण अक्सर ट्रैफिक जाम की स्थिति बनती है। इस मार्ग पर पहले भी कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं। पिछले वर्ष मिक्सर गाड़ी से हुई दुर्घटना में एक बच्चे की मौत हो गई थी। वहीं, कुछ दिन पहले ग्रीन विलेज स्थित स्वर्गीय धर्मवीर आनंद दिघे चौक पर भी एक महिला दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गई। इन घटनाओं को देखते



हुए स्थानीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस कदम उठाना आवश्यक है। राम भवन शर्मा ने अपने पत्र में सुझाव दिया है कि नीलकमल नाका से भारी वाहनों के आने-जाने पर तत्काल रोक लगाई जाए। बाहर से क्षेत्र में प्रवेश करने वाले भारी वाहनों को होटल सफारी और भारत पेट्रोल पंप के रास्ते प्रवेश दिया जाए। वहीं, क्षेत्र के भीतर से बाहर निकलने वाले भारी वाहनों को राज स्टेट से डायवर्ट कर होटल सफारी और भारत पेट्रोल पंप के मार्ग से निकाला जाए। उनका मानना है कि इस वैकल्पिक मार्ग व्यवस्था से नीलकमल नाका पर यातायात का दबाव कम होगा और दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने में मदद मिलेगी। विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं और आम नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारी वाहनों की आवाजाही को व्यवस्थित करना जरूरी है। ट्रैफिक पुलिस ने दिया कार्रवाई का आश्वासन शिवसेना प्रवक्ता राम भवन शर्मा ने बताया कि ट्रैफिक विभाग के वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक प्रफुल्ल वाघ ने उनके प्रस्ताव की सराहना की है और इस दिशा में जल्द कार्रवाई करने का मौखिक आश्वासन दिया है